मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 180
सोमवार, 12 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

मुंबई बीएमसी चुनावः भाजपा के घोषणापत्र में वादों की बौछार

मुंबई, 11 जनवरी। हलचल भरे राजनीतिक माहौल के बीच महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार रविवार को देवेंद्र फडणवीस ने पिंपरी-चिंचवड़ के भोसरी इलाके में रोड शो किया। इससे पहले मुंबई में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने आगामी बीएमसी चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया है।

बता दें कि 15 जनवरी को होने वाले बीएमसी चुनाव के लिए जारी इस घोषणापत्र में कई अहम वादे किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्याओं की पहचान और निर्वासन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। उनके मुताबिक छह महीने के भीतर यह एआई टूल तैयार हो जाएगा, जिससे अवैध प्रवासियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर भेजा जाएगा।

गौरतलब है कि फडणवीस ने यह भी कहा कि मुंबई को अवैध घुसपैठ से मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है और अब तक सबसे अधिक अवैध प्रवासियों की पहचान महाराष्ट्र में ही की गई है। हालांकि इस दावे पर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए हैं। पार्टी प्रवक्ता सचिन सावंत ने कहा है कि यदि सरकार का दावा सही है तो उसे इससे जुड़ा पूरा आंकड़ा सार्वजनिक करना चाहिए।

मौजूद जानकारी के अनुसार घोषणापत्र में सार्वजनिक परिवहन को लेकर भी बड़े ऐलान किए गए हैं। महायुति गठबंधन ने BEST बसों की संख्या करीब 5,000 से बढ़ाकर 10,000 करने, चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक बसें शामिल करने और महिला यात्रियों को किराए में 50 प्रतिशत की छूट देने का वादा किया है।

इस बीच राज्य में 15 जनवरी को मतदान को देखते हुए सरकार ने उस दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। चुनाव आयोग के अनुसार 29 नगर निगमों में एक साथ मतदान होगा, जिसमें बीएमसी की 227 वार्डों के लिए करीब 1,700 उम्मीदवार मैदान में हैं। मतदान सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक होगा, जबकि नतीजे 16 जनवरी को घोषित किए जाएंगे।

राजनीतिक गतिविधियां केवल मुंबई तक सीमित नहीं हैं। गौरतलब है कि ठाकरे परिवार के चचेरे भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे, जो करीब 20 साल बाद एक साथ आए हैं, उन्होंने नासिक में संयुक्त रैली की है और सोमवार को एक और रैली प्रस्तावित है।

इसी बीच गठबंधन के भीतर बयानबाजी को लेकर भी तनाव के संकेत मिले हैं। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की हालिया टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए फडणवीस ने कहा कि सहयोगी दलों को एक-दूसरे पर सार्वजनिक रूप से बयान देने से बचना चाहिए था। उन्होंने कहा कि वह संयम रखते हैं और उचित समय पर जवाब देंगे। कुल मिलाकर मतदान से पहले का यह आखिरी रविवार महाराष्ट्र की राजनीति में खासा सक्रिय नजर आ रहा है, जहां सभी प्रमुख दल अंतिम दौर की रणनीति, रैलियों और आरोप-प्रत्यारोप के जरिए मतदाताओं को साधने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

ओडिशा की भाजपा सरकार ने किसानों के साथ धोखा किया : नवीन पटनायक

ओडिशा, 11 जनवरी। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने ओडिशा सरकार पर किसानों के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों को अपनी धान की फसल सरकारी मंडियों में बेचने के लिए खुले आसमान के नीचे ठंडी रातें बिताने को मजबूर होना पड़ रहा है। पटनायक ने शनिवार को सोशल मीडिया पर आरोप लगाया, राज्य में धान खरीद की पूरी व्यवस्था चरमरा गई है। इससे किसान शोषित और बेबस महसूस कर रहे हैं और सरकार से ही निराश हो गए हैं। कड़ाके की ठंड में किसान मंडियों में अपनी मेहनत की फसल की रखवाली करते हुए रातें गुजार रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अब किसान राष्ट्रीय राजमार्गों पर प्रदर्शन कर रहे हैं और धान की सुचारू खरीद की मांग कर रहे हैं। पटनायक ने सवाल किया, आखिर सरकार किसानों का धान कब खरीदेगी?

उन्होंने ये आरोप एक दिन पहले भी लगाए थे और नो पीयूसी, नो फ्यूल नीति को लेकर लोगों को हो रही परेशानियों के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया था। पटनायक ने आरोप लगाया कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नियमों को लागू करने में पूरी तरह नाकाम रही है।

उन्होंने कहा, भाजपा की डबल इंजन सरकार किसानों से कई वादे करके सत्ता में आई थी। लेकिन सत्ता में आने के बाद क्या वे सारे वादे बेकार हो गए? धान खरीद पर बोनस देने की घोषणा से लेकर किसानों को सपने दिखाने तक, सरकार ने हर कदम पर किसानों को निराश ही किया है।

हरियाणा में अत्यधिक नशा से लोगों की मौत हो रही : सुरजेवाला

हरियाणा, 11 जनवरी। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शनिवार को कहा कि हरियाणा में नशीले पदार्थों की लत तेजी से फैल रही है और मादक पदार्थों के अत्यधिक सेवन से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। सुरजेवाला ने कहा कि अकेले फतेहाबाद जिले में पिछले छह महीनों में नशीली दवाओं के ओवरडोज से 20 से अधिक युवाओं की मौत हुई है।

कांग्रेस सांसद ने एक्स पर लिखा, हजारों युवा नशा मुक्ति केंदों में इलाज के लिए पहुंचे, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में इलाज के साधन न होने के कारण भर्ती ही नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि नशीले पदार्थों का इंजेक्शन नसों को अवरुद्ध कर सकता है, अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है और एचआईवी और पीलिया जैसी गंभीर बीमारियों को फैला सकता है। उन्होंने कहा कि 15 से 25 साल की आयु वर्ग के बच्चे नशे की लत का सबसे ज्यादा शिकार हो रहे हैं और सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले पिछड़े इलाकों के बच्चे सबसे ज्यादा चपेट में हैं।

सुरजेवाला ने कहा, युवा रोजाना 2,500 से 3,000 रुपए तक नशाखोरी में खर्च कर रहे हैं और वे नशे की लत पूरी करने को चोरी और अपराध के दलदल में भी धंसते जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, नशे की महामारी और अपराध के घोर अंधकार में हरियाणा की पूरी नस्ल ही बर्बाद होती जा रही है, मगर भाजपा की सरकार झूठ और लूट के हथियार से सिर्फ सत्ता की फसल काटने में ही व्यस्त है।

भारत बनेगा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाः पीएम मोदी

कच्छ, 11 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कच्छ और सौराष्ट्र के लिए 'वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन' का उद्घाटन किया। साल 2026 में गुजरात के अपने पहले दौरे पर पीएम मोदी ने कहा कि उनकी यह यात्रा 'विकास और विरासत' के मंत्र के साथ शुरू हुई है। उन्होंने बताया कि सोमनाथ मंदिर में पूजा करने के बाद राजकोट में विकास कार्यों को आगे बढ़ाना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

पीएम मोदी ने इस सम्मेलन की सफलता पर चर्चा करते हुए कहा कि वाइब्रेंट गुजरात केवल एक मीटिंग नहीं है, बल्कि यह 21वीं सदी के भारत की बदलती तस्वीर है। उन्होंने बताया कि पिछले दो दशकों में इसके 10 संस्करण हो चुके हैं, जिसने निवेश के मामले में दुनिया के सामने एक मिसाल कायम की है।

पीएम ने कहा कि अब इस सम्मेलन को क्षेत्रीय स्तर पर लाया गया है ताकि गुजरात के उन इलाकों की ताकत को दुनिया को दिखाया जा सके, जहां विकास की अभी बहुत संभावनाएं बची हैं।

संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने देश की आर्थिक मजबूती के कई उदाहरण दिए। उन्होंने बताया कि भारत बहुत जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

पीएम ने गर्व से बताया कि भारत आज दूध उत्पादन और जेनेरिक दवाओं में नंबर वन है। साथ ही, दुनिया की सबसे ज्यादा वैक्सीन भी भारत में ही बनती हैं। देश में महंगाई नियंत्रण में है और खेती के क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बन रहे हैं।

सम्मेलन से पहले पीएम मोदी ने राजकोट की मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में एक विशाल व्यापार प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसमें अमेरिका और यूरोप समेत 16 देशों के 110 से ज्यादा खरीदार यहां पहुंचे हैं। करीब 1,500 समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

यहां 'रिवर्स बायर-सेलर मीटिंग' हो रही है। इसमें खरीदार एक जगह बैठते हैं और सामान बेचने वाले उनके पास जाकर अपने उत्पादों को दिखाते हैं। ऐसी 1,800 से ज्यादा मीटिंग्स तय की गई हैं। 26,000 वर्ग मीटर में फैली इस प्रदर्शनी में अडाणी ग्रीन, एस्सार, टॉरेंट पावर और नायरा एनर्जी जैसी बड़ी कंपनियां हिस्सा ले रही हैं।

अमित शाह ने शबरिमला सोना चोरी मामले में निष्पक्ष एजेंसी से जांच कराने की मांग की

नई दिल्ली, 11 जनवरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को शबरिमला मंदिर में सोने की चोरी को लेकर मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन की आलोचना की और एक निष्पक्ष जांच एजेंसी से जांच कराए जाने की मांग की।

स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित भाजपा प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए और केरल में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के मिशन 2026 कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए शाह ने कहा कि जो लोग शबरिमला की संपत्तियों की रक्षा करने में विफल रहे, वे लोगों के धर्म की रक्षा नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा कि केरल में श्रद्धालुओं की आस्था की रक्षा केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही कर सकती है। गृह मंत्री ने कहा कि शबरिमला में सोने की चोरी केवल केरल के लोगों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के श्रद्धालुओं के लिए चिंता का विषय है।

शाह ने कहा कि उन्होंने इस मामले में प्राथमिकी देखी है और जिस तरह से इसे तैयार किया गया है, उससे यह स्पष्ट होता है कि इसका उद्देश्य आरोपियों को बचाना है। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) से जुड़े दो व्यक्तियों पर संदेह जताते हुए भाजपा नेता ने पूछा कि ऐसी परिस्थितियों में निष्पक्ष जांच कैसे संभव हो सकती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को भी दोषमुक्त नहीं किया जा सकता क्योंकि उसके नेताओं की संलिप्तता के सबूत सामने आए हैं। शाह ने विजयन का जिक्र करते हुए कहा, मैं मांग करता हूं कि मुख्यमंत्री इस मामले की जांच किसी निष्पक्ष जांच एजेंसी को सौंप दें। भाजपा विरोध प्रदर्शन और घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चलाएगी। विजयन, यही लोकतंत्र है और आपको निष्पक्ष जांच एजेंसी को नियुक्त करना ही होगा। दो प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक विचारधाराओं पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, विश्व स्तर पर साम्यवाद का अंत हो चुका है और भारत में कांग्रेस का पतन हो चुका है। उन्होंने कहा कि केरल का विकास केवल भाजपा सरकार के नेतृत्व में ही संभव है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमारा रास्ता कभी आसान नहीं था। केरल में भाजपा की जीत सुनिश्चित करना एक बहुत बड़ी चुनौती है। हमारा अंतिम लक्ष्य केरल में कमल के चिह्न के तहत सरकार बनाना और भाजपा के मुख्यमंत्री को सत्ता में लाना है।

दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर, तीन लोगों की मौत

एटा। एटा जिले के अवागढ़ क्षेत्र में दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई भीषण भिड़त में तीन लोगों की मृत्यु हो गई तथा एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शनिवार देर रात अवागढ़ थाना क्षेत्र में बरई कल्याणपुर मोड़ के पास तेज रफ्तार में आ रही दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके मुताबिक, घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनमें से तीन को मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है।

वैश्विक युद्ध की प्रेत-छाया में व्यापारिक द्वंद का दौरा

संजीव ठाकुर

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य व्यापारिक संप्रभुता और विश्व की अर्थव्यवस्था मैं सिरमौर बनने के प्रयासों की ओर बढ़ रहा है। इस समय विश्व व्यवस्था की परिघटना में एक ऐतिहासिक मोड़ आ गया है जहाँ शांतिपूर्ण सहयोग और आर्थिक प्रतिस्पर्धा, युद्ध की परंपरागत विधि की अपेक्षा पहले से कहीं अधिक निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

आज 21वीं सदी में पारंपरिक भौतिक युद्ध के स्थान पर देश व्यापार युद्ध, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और नीतिगत टकराव के माध्यम से अपनी शक्ति, प्रतिष्ठा और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने में लगे हैं। यह स्पष्ट है कि अब विश्व युद्ध नहीं, बल्कि व्यापार युद्ध होने की संभावना अधिक है, क्योंकि दुनिया के अधिकांश प्रमुख देशों ने इस दिशा में अपने कदम बढ़ा दिए हैं।

आज विश्व अर्थव्यवस्था में शक्ति संतुलन का निर्धारण केवल सैन्य बल से नहीं होता बल्कि आर्थिक ताकत, वैश्विक व्यापार नीति, निवेश सहयोग एवं तकनीकी नेतृत्व से होता है। अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और भारत जैसे प्रमुख देश अब सीधे युद्ध की बजाय आर्थिक रणनीतियों, शुल्क, व्यापार समझौतों, बाजारों तक पहुंच और पूंजी आकर्षण की लड़ाई में लगे हैं। आज अमेरिका ने 2025 में भारत सहित लगभग 68 देशों के खिलाफ बड़े पैमाने पर आयात शुल्क (टैरिफ) लगाए, जिनका उद्देश्य अपने व्यापार घाटे को कम करना और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देना है, जबकि इसी कदम ने वैश्विक अनिश्चितता को बढ़ाया है।

अमेरिका और चीन के बीच पहले से चले आ रहे व्यापार तनाव ने व्यापार युद्ध की अवधारणा को मजबूती दी है, जहाँ दोनों देश एक-दूसरे के उत्पादों पर शुल्क बढ़ा रहे हैं। इससे वैश्विक व्यापार नेटवर्क प्रभावित हो रहे हैं और कई उद्योगों में अस्थिरता आ रही है। अमेरिका-चीन के बीच यह टकराव केवल शुल्कों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि तकनीकी नियंत्रण, निवेश प्रतिबंध और आपूर्ति श्रृंखला पुनर्गठन जैसे मुद्दों पर भी उभर रहा है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था की प्रवाहशीलता पर असर पड़ा है।

इस प्रतिस्पर्धा की पृष्ठभूमि में प्रत्येक देश अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए नीतिगत परिवर्तन कर रहा है। भारत ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 2024-25 में निर्यात में लगभग 15.52% की वृद्धि दर्ज की है, जिससे इसके व्यापार घाटे में भी उल्लेखनीय कमी आई है। भारत के निर्यात में मर्चेंडाइज और सेवा दोनों का योगदान रहा है और यह वैश्विक बाजार में उसकी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को मजबूती देता है। अमेरिका, जो समय-समय पर अमेरिका फर्स्ट जैसी नीति अपनाता रहा है, वह अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा करते हुए उच्च टैरिफ लागू करता है, जिससे उसके व्यापारिक साझेदारों को आर्थिक संतुलन में बदलाव का सामना करना पड़ता है। अमेरिका के इस कदम से न केवल चीन, बल्कि भारत और यूरोपीय देशों के साथ भी तनाव उत्पन्न होने का खतरा बढ़ रहा है। अमेरिका का लक्ष्य लंबे समय से अपने व्यापार घाटे को कम करना रहा है, जो लगभग 1.2 ट्रिलियन डॉलर का रहा है, और इसी वजह से टैरिफ नीति का सहारा लिया जा रहा है।

चीन की स्थिति भी दिलचस्प है, जो अब विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ अपनी वैश्विक पहुंच और तकनीकी क्षमता का विस्तार कर रहा है। चीन बेल्ट एन्ड रोड (बीआरआई) के जरिए कई देशों को अपनी आर्थिक परिधि में लाने का प्रयास कर रहा है, जबकि अमेरिका उसे रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में देख रहा है।

भारत ने हमेशा आधिकारिक तौर पर कहा है कि वह गुटनिरपेक्ष राजनीति और शांति की दिशा में विश्वास रखता है। भारत का रुख पारंपरिक सैन्य आक्रामकता से अलग है, वह व्यापार, निवेश, आर्थिक सुधार और तकनीकी नवाचार के माध्यम से विश्व में शांति एवं विकास का संदेश देना चाहता है। भारत जैसे उभरते बाजार देश ने व्यापार समझौतों पर जोर दिया है और उसने अनेक मुक्त व्यापार व साझेदारी समझौते किए हैं, जिनसे उसके निर्यात को बाजारों तक पहुंचाने में मदद मिली है और वैश्विक भागीदारों के साथ उसके संबंध मजबूत हुए हैं। दूसरी तरफ, पश्चिम एशियाई खाड़ी देश, जैसे सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात आदि, मुख्य रूप से तेल और ऊर्जा व्यापार में व्यस्त हैं। इन देशों की अर्थव्यवस्थाएं कच्चे तेल पर निर्भर हैं और तेल की कीमतों तथा वैश्विक ऊर्जा मांग पर उनकी आर्थिक स्थिति काफी हद तक टिकी हुई है। वे अपने संसाधनों का उपयोग वैश्विक निवेश और ऊर्जा सुरक्षा पर दबदबा बनाए रखने के लिए कर रहे हैं। इस क्षेत्र में आंतरिक विद्रोह, राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक विविधीकरण की चुनौतियों के बीच इन देशों की नजर वैश्विक आर्थिक संतुलन और निवेश आकर्षण पर टिके हुए हैं।

ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा जैसे विकसित देश भी रक्षा और रणनीतिक सहयोग से अधिक आर्थिक सुधार और वैश्विक व्यापार में प्रभाव के लिए प्रयासरत हैं। यूरोपीय संघ के भीतर व्यापार नीतियों, तकनीकी मानकों और आव्रजन नीतियों के माध्यम से वे अपने बाजार को संरक्षित करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होने का काम कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया, इसके प्राकृतिक संसाधनों और खुले व्यापार मॉडल के कारण, वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

अर्थव्यवस्था और वैश्विक शक्ति के बीच यह नया संबंध दशार्ता है कि आज दुनिया की लड़ाई ,कौन बड़ा सैनिक है की नहीं बल्कि ,कौन बड़ा व्यापारी और निवेशक है की हो गई है। इस प्रतिस्पर्धा का प्रभाव रोजगार, मुद्रास्फीति, निवेश प्रवाह और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी देखने को

'क्या ईरान के लिये अब परमाणु परीक्षण जरूरी हो गया है?

-तनवीर जाफरी

पिछले दिनों सनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के निर्देश पर जिसतरह वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई करते हुये अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की राजधानी कराकस से वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व उनकी पत्नी का बलात अपहरण कर उन्हें न्यूयार्क ले जाया गया उसने पूरी दुनिया को न केवल अचंभे में डाल दिया है बल्कि इस घटना ने एक नई विश्व व्यवस्था व नये वैश्विक शक्ति संतुलन के गठन की संभावना को भी प्रबल कर दिया है। कितना आश्चर्य है कि नोबल शांति पुरस्कार की चाहत रखने वाले राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी शक्तियों का दुरुपयोग कर इस दुनिया को जंगल राज की तरह चलाना चाह रहे हैं? वेनेजुएला पर की गयी गैर कानूनी अमेरिकी कार्रवाई कई संकेतों की ओर इशारा कर रही है। एक तो यह कि क्या यह विश्व की उदारवादी सोच रखने वाली ताकतों को विश्व की पूंजीवादी व अतिवादी व्यवस्था की ओर से दी जाने वाली यह एक सीधी चुनौती है? गौरतलब है कि ट्रंप परिवार की गिनती भी अमेरिका के बड़े पूंजीवादी घरानों में की जाती है। या फिर यह चीन व रूस जैसे देशों एक साथ ललकारने की ट्रंप की नीति का हिस्सा है ? और अब कोलंबिया, क्यूबा, मैक्सिको और ईरान जैसे देशों पर अमेरिकी सैन्य या आर्थिक दबाव की आशंका व्यक्त की जा रही है।साथ ही अमेरिका द्वारा ग्रीनलैंड पर भी अधिग्रहण की धमकी दी जा चुकी है।

ऐसे में दुनिया के सामने दो ही विकल्प बचे हैं एक तो यह कि दूसरे देशों की स्वतंत्रता व संप्रभुता का सम्मान करने वाले सभी देश वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का विरोध करते हुये हर स्तर पर एकजुट होकर अमेरिका का मुकाबला करें। दूसरा यह कि 'जिसकी लाठी उसी की भैंस' वाली अमेरिकी नीति का ही अनुसरण करते हुये पूरी दुनिया ही जंगल राज में बदल जाये। हर ताकतवर देश अपनी पड़ोसी कमजोर देश को निगलने की मानवता व न्याय विरोधी रक्तरंजित योजना पर काम करे। उदाहरण के तौर पर चीन ताइवान को हड़प ले और रूस यूक्रेन पर अपना आधिपत्य स्थापित कर ले? इस्राईल, फिलिस्तीन लेबनान सीरिया पर नियंत्रण कर अपने वृहत्तर इस्राईल के नापाक मंसूबे पर आगे बढ़े? और इन्हीं खतरनाक संभावनाओं के बीच एक उपाय यह भी है कि ईरान परमाणु परीक्षण के द्वारा उत्तर कोरिया की तरह एक ऐसी आत्म रक्षक व निवारक रणनीति पर काम करे जो अमेरिका को भी युद्ध से पीछे हटने पर मजबूर कर दे? तो क्या लंबे समय से चले आ रहे तमाम ईरान विरोधी प्रतिबंधों के बावजूद उस के सामने इस समय वैसी ही स्थिति पैदा हो चुकी है कि आत्मरक्षा के लिये

अब उसे परमाणु संपन्न देशों के क्लब में शामिल होना जरूरी हो गया है?

गौर तलब है कि गत 13 जून - 24 जून 2025 के मध्य चला बारह दिवसीय ईरान-इजराइल युद्ध उस समय शुरू हुआ था जब इजराइल ने ईरान के कई सैन्य और परमाणु ठिकानों पर बमबारी की थी और ईरान के कई प्रमुख सैन्य अधिकारियों, परमाणु वैज्ञानिकों व प्रमुख राजनेताओं की हत्या कर दी थी साथ ही अनेक नागरिकों को भी मार दिया था। इजराइल ने उस समय ईरान की वायु सुरक्षा को भी नुक़्सान पहुँचाया था और कई जगह तो इसे पूरी तरह नष्ट भी कर दिया था। इतना ही नहीं बल्कि अमेरिका ने भी इस्राईल के समर्थन में 22 जून को तीन ईरानी परमाणु स्थलों पर बमबारी की। परन्तु बाद में मुंहतोड़ जवाबी कार्रवाई करते हुये ईरान ने 550 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों और 1, 000 से अधिक आत्मघाती ड्रोनों के साथ बड़े पैमाने पर इस्राईल में राजधानी तेल अवीव सहित कई शहरों पर भीषण हमले किये। कम से कम बारह सैन्य, ऊर्जा और सरकारी स्थलों को निशाना बनाया। यहाँ तक कि कई अमेरिकी सैन्य लक्ष्यों को भी निशाना बनाया। उस दौरान भी पश्चिमी मीडिया ईरानी सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामनेई को लेकर बार बार तरह तरह की अफवाह उड़ा रहा था। कभी उन्हें भूमिगत बता देता था तो कभी उनके ईरान छोड़कर भाग जाने की खबर फैला देता था। उस समय भी आयतुल्लाह खामनेई जनता को संबोधित करने के लिये सार्वजनिक रूप से दिखाई देते थे और पिछले दिनों भी बिल्कुल वैसा ही दृश्य देखने को मिला। इस बार भी 'भूमिगत' होने व 'मास्को भागने की तैयारी' जैसी अफवाहों के बीच गत शुक्रवार को पुनः आयतुल्लाह खामनेई जनता के सामने आये तथा बेखौफ होकर खुद अमेरिका को ही हिदायत व नसीहत करते सुने गए।

परन्तु ट्रंप के नेतृत्व वाला वर्तमान अमेरिका वेनेजुएला की घटना के बाद तो पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। दुनिया में सबसे अधिक तेल भण्डार रखने वाले अमेरिका को विश्व के अन्य तेल उत्पादक देशों से अपनी शर्तों पर तेल चाहिये। चाहे इसके लिये कोई भी बहाना बनाकर किसी राष्ट्रपति का अपहरण तक क्यों न करना पड़े। जाहिर है ईरान भी वेनेजुएला की ही तरह दुनिया के उन गिने चुने तेल उत्पादक देशों में एक है जो अमेरिका को 'सर्वशक्तिमान ' भी नहीं मानता और न ही उसकी 'वैश्विक थानेदारी ' को स्वीकार करता है। जबकि 1979 की ईरानी इस्लामिक क्रांति से पहले का रजा शाह पहलवी का ईरानी शासन अमेरिका का पिट्ठू शासन था। उसी समय से ईरान न केवल अमेरिकी बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा लगाये गयी अनेक प्रतिबंध भी झेलता आ रहा है जोकि निश्चित रूप से ईरान की अर्थव्यवस्था को बेहद कमजोर कर रहा है। इन प्रतिबंधों के बावजूद अपने अत्यंत सीमित संसाधनों के बल पर ईरान ने शिक्षा,विज्ञान यहाँ तक कि अंतरिक्ष विज्ञान तक के क्षेत्र में जो तरक़्क़ी की है उसी की झलक गत वर्ष के बारह दिवसीय ईरान-इजराइल युद्ध में भी देखने को मिली।

परन्तु अब बात इस्राईल की नहीं बल्कि ईरान को सीधे अमेरिका चुनौती दे रहा है। ईरान में चल रहे सरकार विरोधी व अमेरिका -इस्राईल समर्थित प्रदर्शनों को लेकर अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि प्रदर्शनकारियों को मारा गया तो अमेरिका ईरान पर बड़े हमले करेगा। ऐसे में ईरान,अमेरिकी हमलों से बचने के लिये आखिर कौन सी रणनीति अपना सकता है ? क्या ईरान द्वारा परमाणु परीक्षण किया जाना भी इन्हीं संभावनाओं में एक सबसे प्रमुख है ? क्या निकट भविष्य में ईरान भी परमाणु परीक्षण कर ₹परमाणु क्लब₹ में शामिल हो जाएगा ताकि अमेरिका व इजराइल जैसे देशों को सैन्य हमले से रोका जा सके ? यदि ईरान में उपजे सत्ता विरोधी प्रदर्शनों के बीच ईरान रूस और चीन जैसे सहयोगी देशों की मदद से परमाणु परीक्षण करता है तो इससे ईरान की जनता में सुरक्षा, स्वाभिमान तथा राष्ट्रवाद बढ़ेगा तो बढ़ेगा ही साथ ही वहां आंतरिक राष्ट्रीय एकता भी बढ़ेगी। इसके अलावा ईरान का क्षेत्रीय प्रभाव भी बढ़ेगा साथ ही अमेरिकी एकध्रुवीयता का विरोध करने वाले देशों को भी मजबूती मिलेगी। इसके अलावा दशकों से अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण दबाव का सामना करती आ रही ईरान की अर्थव्यवस्था में इस परीक्षण से खउढडअ के रूप में कई नई संभावनाएँ भी खुल सकती हैं। वैसे भी उत्तर कोरिया द्वारा किये गये परमाणु परीक्षण के बाद ही ट्रंप - की उत्तर कोरिया राष्ट्रपति किम जोंग के साथ 27 -28 फरवरी 2019 को वेतनाम के हनोई में मुलाकात हुई थी। गोया आज की दुनिया में खासकर अमेरिकी वर्चस्व वाली दुनिया में यदि किसी देश को अपना अस्तित्व बचाकर रखना है तो उसका परमाणु संपन्न देश होना जरूरी हो चुका है। अन्यथा कभी भी इराक-वेनेजुएला-गजा-सीरिया-लेबनान यानी कहीं भी कुछ भी हो सकता है?

मकर संक्रांतिः पतंगबाजी, आनंद, संस्कृति और चेतना

– डॉ. सत्यवान सौरभ

मकर संक्रांति का पर्व भारतीय संस्कृति में केवल एक तिथि नहीं, बल्कि ऋतु परिवर्तन, सामाजिक सहभागिता और लोकजीवन की जीवंत अभिव्यक्ति है। यह वह समय है जब सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर अग्रसर होता है और प्रकृति के साथ-साथ मानव जीवन में भी नई ऊर्जा का संचार होता है। इस पर्व से जुड़ी पतंगबाजी की परंपरा सदियों से चली आ रही है, जिसने समय के साथ स्वयं को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और स्वास्थ्य संबंधी आयामों को भी अपने भीतर समाहित किया है। आज पतंग उड़ाना सिर्फ. छतों पर खड़े होकर डोर खींचने का खेल नहीं, बल्कि सामूहिक उत्सव, मानसिक प्रसन्नता और शारीरिक सक्रियता का प्रतीक बन चुका है।

पतंग उड़ाने की परंपरा भारत में अत्यंत प्राचीन मानी जाती है। ऐतिहासिक संदर्भों और लोककथाओं में इसके उल्लेख मिलते हैं। कभी यह राजदरबारों में कौशल और रणनीति का प्रतीक रही, तो समय के साथ आम जनजीवन में रच-बस गई। मकर संक्रांति, बसंत पंचमी और अन्य पर्वों पर आसमान का रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाना, भारतीय समाज की सामूहिक चेतना और उत्सवधर्मिता को दशार्ता है। हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में यह पर्व केवल परंपरा नहीं, बल्कि एक बड़े सामाजिक आयोजन का रूप ले लेता है। पतंगबाजी का सबसे सुंदर पक्ष उसका सामाजिक स्वरूप है। यह लोगों को घरों से बाहर निकालकर एक-दूसरे से जोड़ती है। छतों के बीच संवाद, बच्चों की खिलखिलाहट, युवाओं की प्रतिस्पर्धा और बुजुर्गों की स्मृतियों से उपजी मुस्कान—ये सभी दृश्य इस पर्व को जीवंत बनाते हैं। ह्लवो काटाङ्ग वो माराह्व की गूंज केवल खेल का उत्साह नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता की आवाज होती है। आज के समय में, जब सामाजिक संवाद सिमटता जा रहा है, ऐसे पर्व मानवीय रिश्तों को सहेजने का अवसर प्रदान करते हैं।

मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित पतंग महोत्सवों और सामूहिक आयोजनों ने इस परंपरा को नए आयाम दिए हैं। कई स्थानों पर स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठन और स्वयंसेवी संस्थाएँ मिलकर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती हैं, जिनका उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना भी होता है। इन आयोजनों में महिलाएँ, बच्चे और बुजुर्ग समान रूप से भाग लेते हैं, जिससे यह पर्व किसी एक वर्ग तक सीमित न रहकर समाज के हर हिस्से का उत्सव बन जाता है।

अक्सर पतंगबाजी को केवल मौसमी खेल समझ लिया जाता है, लेकिन इसके स्वास्थ्य संबंधी लाभ भी कम नहीं हैं। पतंग उड़ाते समय शरीर के कई अंग सक्रिय रहते हैं। हाथों, कंधों और आँखों का समन्वय होता है, जिससे शारीरिक सक्रियता बनी रहती है। खुले वातावरण में समय बिताने से शरीर को सूर्य की ऊर्जा मिलती है और मानसिक थकान कम होती है। चिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसे सामूहिक और आनंददायक आयोजन तनाव को कम करने में सहायक होते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी पतंग उड़ाना अत्यंत उपयोगी है। खुले आसमान में रंग-बिरंगी पतंगों को उड़ते देखना मन को प्रसन्नता और शांति देता है। यह व्यक्ति को वर्तमान क्षण से जोड़ता है और एक प्रकार के सहज ध्यान का अनुभव कराता है। आज के तेज रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में ऐसे अनुभव मानसिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

बच्चों के लिए पतंगबाजी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया भी है। इससे उनमें धैर्य, संतुलन, समन्वय और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। हवा की दिशा को समझना, डोर का सही तनाव बनाए रखना और सही समय पर निर्णय लेना—ये सभी कौशल बच्चों की निर्णय क्षमता को मजबूत करते हैं। साथ ही, जब यह गतिविधि परिवार के साथ मिलकर की जाती है, तो बच्चों में सामाजिक मूल्य और सांस्कृतिक जुड़ाव भी गहराता है।

हालाँकि, जहाँ पतंगबाजी आनंद और उत्साह का पर्व है, वहीं इससे जुड़ी सुरक्षा चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। बीते वर्षों में चाइनीज मांझा और नायलॉन डोर के प्रयोग से कई गंभीर दुर्घटनाएँ हुई हैं। यह न केवल मनुष्यों के लिए, बल्कि पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं के लिए भी घातक सिद्ध हुआ है। सड़क दुर्घटनाएँ, गले में कट लगने की घटनाएँ और पक्षियों की मौत—ये सभी इस परंपरा के विकृत स्वरूप की ओर संकेत करते हैं।

सरकार और प्रशासन द्वारा इस दिशा में नियम बनाए गए हैं, लेकिन केवल नियम पर्याप्त नहीं हैं। समाज में जागरूकता फैलाना और जिम्मेदारी का भाव विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। सूती डोर का उपयोग, खुले और सुरक्षित स्थानों का चयन, बच्चों की निगरानी और समय-सीमा का ध्यान—ये सभी कदम पतंगबाजी को सुरक्षित बना सकते हैं। यह जरूरी है कि उत्सव की खुशी किसी के लिए दुख का कारण न बने।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी पतंगबाजी पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। पतंगों के अवशेष पेड़ों, बिजली के तारों और सड़कों पर फँसकर पर्यावरण के लिए समस्या बन जाते हैं। प्लास्टिक और नायलॉन से बनी पतंगें लंबे समय तक नष्ट नहीं होतीं और जीव-जंतुओं के लिए खतरा पैदा करती हैं। ऐसे में पर्यावरण-अनुकूल पतंगों और प्राकृतिक रंगों के उपयोग को बढ़ावा देना समय की माँग है।

कई सामाजिक संगठन और स्वयंसेवी समूह इस दिशा में सकारात्मक प्रयास कर रहे हैं। वे बच्चों और युवाओं को सुरक्षित और पर्यावरण-संवेदनशील पतंगबाजी के लिए प्रेरित कर रहे हैं। स्कूलों और सामाजिक मंचों पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि परंपरा और प्रकृति के बीच संतुलन बना रहे।

बदलते समय के साथ पतंगबाजी का स्वरूप भी बदल रहा है। अब यह केवल छतों तक सीमित नहीं रही। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इसे एक वैश्विक पहचान दी है। पतंग महोत्सवों की तस्वीरें और वीडियो दुनिया भर में साझा किए जा रहे हैं। विदेशों में बसे भारतीय समुदाय भी मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उत्सव आयोजित कर अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हैं।

यह परिवर्तन दशार्ता है कि परंपराएँ स्थिर नहीं होतीं, वे समय के साथ स्वयं को ढालती हैं। पतंगबाजी भी इसी परिवर्तन का उदाहरण है, जहाँ परंपरा, मनोरंजन, स्वास्थ्य और आधुनिकता एक साथ उड़ान भरते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि आनंद और जिम्मेदारी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं।

अंततः, मकर संक्रांति और उससे जुड़ी पतंगबाजी केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन को उत्सव की तरह देखने का दृष्टिकोण है। यह हमें सामूहिकता, संतुलन और आनंद का महत्व समझाती है। जब हम परंपरा को समझदारी और जिम्मेदारी के साथ अपनाते हैं, तो वह अतीत की स्मृति भर नहीं रहती, बल्कि वर्तमान और भविष्य की प्रेरणा बन जाती है। आसमान में उड़ती पतंगें हमें यही संदेश देती हैं कि सीमाएँ केवल जमीन पर होती हैं, सपनों के लिए आकाश हमेशा खुला रहता है—बस डोर थामने का हुनर और संतुलन बनाए रखने की समझ होनी चाहिए।

बजट 2026-27: भारत की आर्थिक दिशा, टैक्स सुधार और मिडिल क्लास की उम्मीदों का निर्णायक पड़ाव

वैश्विक स्तरपर भारत का आम बजट केवल एक वित्तीय दस्तावेज नहीं होता, बल्कि यह देश की आर्थिक सोच सामाजिक प्राथमिकताओं और वैश्विक भूमिका को परिभाषित करने वाला नीति-घोषणापत्र होता है। वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट इस दृष्टि से ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि यह न केवल एक नए वित्तीय वर्ष की शुरूआत करेगा, बल्कि भारत के आयकर ढांचे में होने वाले सबसे बड़े कानूनी परिवर्तन से पहले का अंतिम पूर्ण बजट भी होगा। यही कारण है कि संसद से लेकर शेयर बाजार तक, टैक्सपेयर्स से लेकर उद्योग जगत तक और भारत से लेकर वैश्विक निवेशकों तक,सभी की निगाहें इस बजट पर टिकी हुई हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बता दूं कि वर्ष 2026- 27 के बजट का औपचारिक आगाज संसद के बजट सत्र के साथ होगा, जिसे 28 जनवरी से 2 अप्रैल 2026 तक आयोजित करने की मंजूरी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दी जा चुकी है। यह सत्र दो चरणों में विभाजित होगा, पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा चरण 9 मार्च से 2 अप्रैल तक चलेगा।इसविस्तारित सत्र का उद्देश्य केवल बजट पारित करना नहीं, बल्कि उससे जुड़ी नीतियों, संशोधनों और विधायी पहलुओं पर व्यापक विमर्श सुनिश्चित करना है। लोकतंत्र में बजट सत्र सरकार और संसद दोनों के लिए जवाबदेही और पारदर्शिता की कसौटी होता है।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को लोकसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश करेंगी। यह क्षण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनका एक और बजट होगा, जिसमें उनसे न केवल राजकोषीय अनुशासन बल्कि मिडिल क्लास, नौकरीपेशा वर्ग, किसानों, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत के बीच संतुलन साधने की अपेक्षा की जा रही है। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था में बजट के हर प्रावधान का सीधा असर घरेलू मांग, निवेश वातावरण और वैश्विक भरोसे पर पड़ता है।

साथियों बात अगर हम टैक्सपेयर्स की उम्मीदें: बजट का सबसे संवेदनशील पक्ष इसको समझने की करें तो,हर बजट में अगर किसी एक वर्ग की निगाहें सबसे अधिक वित्तमंत्री के भाषण पर टिकी होती हैं, तो वह है टैक्सपेयर्स विशेषकर मिडिल क्लास और नौकरीपेशा लोग। महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रिटायरमेंट की बढ़ती लागत के बीच यह वर्ग वर्षों से यह महसूस करता आया है कि आर्थिक विकास का सबसे बड़ा बोझ उसी के कंधों पर है। इसलिए बजट 2026-27 में इनकम टैक्स से जुड़ी घोषणाएं केवल वित्तीय नहीं,बल्कि सामाजिकराजनीतिक संदेश भी होंगी।

साथियों बात अगर हमस्टॉक मार्केट की तैयारी:बजट और निवेशकों का संबंध इसको समझने की करें तो बजट 2026- 27 का असर केवल आम नागरिकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका सीधा प्रभाव शेयर बाजार और पूंजी बाजार पर भी पड़ेगा। स्टॉक एक्सचेंजों ने संकेत दे दिए हैं कि यदि 1 फरवरी को बजट रविवार के दिन पेश किया जाता है,तो उस दिन स्पेशल ट्रेडिंग सेशनआयोजित किया जाएगा। यह व्यवस्था दशार्ती है कि बजट घोषणाओं को बाजार कितनी गंभीरता से लेता है। टैक्स सुधार, पूंजीगत लाभ कर, टीडीएस नियम और निवेश प्रोत्साहन जैसे प्रावधान बाजार की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

साथियों बात अगर हम नया इन्कम टैक्स एक्ट 2025 एक युग का अंत, दूसरे की शुरूआत को समझने की करें तो, यूनियन बजट 2026-27 को ऐतिहासिक बनाने वाला सबसे बड़ा कारण यह है कि यह 60 साल पुराने आयकर कानून के अंत से पहले का अंतिम पूर्ण बजट होगा। सरकार 1 अप्रैल 2026 से नया इन्कम टैक्स एक्ट 2025 लागू करने जा रही है, जो मौजूदा

जटिल विवादग्रस्त और बार-बार संशोधित कानून की जगह लेगा। ऐसे में बजट 2026-27 केवल मौजूदा वित्तीय जरूरतों का दस्तावेज नहीं, बल्कि आने वाले टैक्स सिस्टम की बुनियाद भी रखेगा।

साथियों बात अगर हम टैक्सपेयर्स की 5 बड़ी उम्मीदें: क्या मिडिल क्लास की खुलेगी किस्मत? इसको समझने की करें तो(1)धारा 80सी और 80डी की सीमा में वृद्धि : बचत और सुरक्षा का सवाल-धारा 80सी के तहत ?1.5 लाख की कर छूट सीमा वर्षों से अपरिवर्तित है,जबकि इस अवधि में महंगाई, आय स्तर और जीवन-शैली खर्चों में भारी वृद्धि हुई है। इसी प्रकार 80डी के तहत स्वास्थ्य बीमा पर मिलने वाली छूट भी आज की चिकित्सा लागत के मुकाबले अपर्याप्त प्रतीत होती है। टैक्सपेयर्स की प्रमुख मांग है कि इन सीमाओं को यथार्थवादी स्तर तक बढ़ाया जाए, ताकि लंबी अवधि की बचत, बीमा कवरेज और सामाजिक सुरक्षा को प्रोत्साहन मिल सके।(2)लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स में राहत:निवेशसंस्कृति को बढ़ावा-भारत सरकार निवेश आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना चाहती है, लेकिन लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) टैक्स की मौजूदा संरचना कई निवेशकों को हतोत्साहित करती है। टैक्सपेयर्स की अपेक्षा है कि या तो इसकी आय सीमा बढ़ाई जाए, या फिर छोटे और मध्यम निवेशकों को अतिरिक्त राहत दी जाए।इससे घरेलू निवेश, रिटेल पार्टिसिपेशन और पूंजी बाजार की गहराई बढ़ सकती है, जो वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होगा।(3) टीडीएस सीमा में वृद्धिःनकदी प्रवाह और अनुपालन की सरलता- टीडीएस (टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स) व्यवस्था का उद्देश्य टैक्स संग्रह को आसान बनाना है, लेकिन अत्यधिक कम सीमाएं कई बार अनावश्यक अनुपालन बोझ पैदा करती हैं।वरिष्ठ नागरिकों, फ्रीलांसर्स और छोटे करदाताओं की मांग है कि विभिन्न श्रेणियों में टीडीएस की सीमा बढ़ाई जाए, जिससे नकदी प्रवाह सुधरे और रिफंड- आधारित टैक्स सिस्टम पर निर्भरता कम हो।(4)नए इनकम टैक्स कानून में सरल संरचना : जटिलता से मुक्ति-इन्कम टैक्स एक्ट 2025 से सबसेबड़ी उम्मीद यह है कि यह सरल, स्पष्ट और विवाद-मुक्त होगा। बजट 2026-27 में सरकार से अपेक्षा है कि वह इस नए कानून की संरचना को स्पष्ट संकेतों के माध्यम से पेश करे जैसे कम धाराएं,सरल भाषा, डिजिटल- फ्रेंडली अनुपालन और न्यूनतम व्याख्यात्मक विवाद। यह सुधार भारत की ईजी ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग और वैश्विक टैक्स छवि को भी मजबूत करेगा। (5) विवाद समाधान और टैक्स आतंक से मुक्ति-पिछले वर्षों में सरकार ने ह्यटैक्स टेररिज्मह्न की धारणा को समाप्त करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अब भी लंबे विवाद, अपीलें और मुकदमेबाजी टैक्सपेयर्स के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। बजट 2026-27 से अपेक्षा है कि इसमें तेज, पारदर्शी और तकनीक-आधारित विवाद समाधान तंत्र को और मजबूत किया जाएगा।

साथियों बात अगर हम इस बजट को दो एंगल मिडिल क्लास व शेयर बाजार केंद्रित से समझने की करें तो (1) मिडिल क्लास केंद्रित आय, बचत और जीवन- स्तर की कसौटी- बजट 2026- 27 मिडिल क्लास के लिए इसलिए निर्णायक है क्योंकि यह नए इनकम टैक्स कानून से पहले का अंतिम पूर्ण बजट है।नौकरी पेशा और मध्यम आय वर्ग की प्रमुख अपेक्षा यह है कि बढ़ती महंगाई, शिक्षा-स्वास्थ्य खर्च और रिटायरमेंट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इनकम टैक्स ढांचे में वास्तविक राहत दी जाए। विशेष रूप से धारा 80सी और 80डी की सीमाओं में वृद्धि मिडिल क्लास के लिए केवल टैक्स लाभ नहीं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा का साधन मानी जा रही है।यदि बजट में कर-छूट या टैक्स स्लैब में संतुलित सुधार होता है, तो इसका सीधा असर घरेलू खपत पर पड़ेगा। ऑटो, आवास, उपभोक्ता वस्तुएँ और सेवाएँ,ये सभी सेक्टर मिडिल क्लास की डिस्पोजेबल इनकम से चलते हैं। इसलिए बजट 2026-27मिडिल क्लास के लिए इस प्रश्न का उत्तर देगा कि क्या सरकार उसे केवल टैक्स बेस के रूप में देखती है या आर्थिक विकास का इंजन मानती है।(2) शेयर बाजार केंद्रित-भरोसा,स्थिरता और दीर्घकालिकसंकेत-शेयर बाजार के लिए बजट 2026-27 अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से अधिक नीतिगत दिशा और टैक्स स्थिरता का दस्तावेज है।निवेशकों की प्राथमिक अपेक्षा यह है कि कैपिटल गेन टैक्स, टीडीएस और कॉरपोरेट टैक्स से जुड़े संकेत स्पष्ट और पूवार्नुमेय हों। टैक्स अनिश्चितता बाजार को कमजोर करती है,जबकि स्थिरता दीर्घकालिक निवेश को आकर्षित करती है। यदि बजट में राजकोषीय अनुशासन के साथ कैपेक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च को प्राथमिकता दी जाती है, तो यह कैपिटल गुड्स, बैंकिंग और इंडस्ट्रियल सेक्टर के लिए सकारात्मक ट्रिगर होगा। साथ ही,नए इन्कम टैक्स एक्ट 2025 को लेकर स्पष्ट रोडमैप शेयर बाजार को यह संकेत देगा कि भारत का पूंजी बाजार नियम- आधारित और निवेश-अनुकूल दिशा में आगे बढ़ रहा है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक स्तरपर देखें तो भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।ऐसे में बजट 2026-27 न केवल घरेलूनीति का दस्तावेज होगा, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय निवेशकों रेटिंग एजेंसियों और बहुपक्षीय संस्थाओं के लिए भी एक संकेतक बनेगा। टैक्स सुधार, कानून की स्थिरता और नीतिगत स्पष्टता भारत को चीन के बाद एक विश्वसनीय निवेश गंतव्य के रूप में और मजबूत कर सकती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि एक बजट, कई उम्मीदें,एक ऐतिहासिक मोड़ है बजट 2026-27 एक साधारण वार्षिक बजट नहीं है। यह पुराने टैक्स युग से नए टैक्स युग की दहलीज पर खड़ा बजट है। यह मिडिल क्लास की वर्षों पुरानी अपेक्षाओं निवेशकों की आकांक्षाओं और सरकार की सुधारवादी छवि, तीनों की परीक्षा लेगा।यदि यह बजट संतुलित, दूरदर्शी और संवेदनशील रहा, तो यह भारत की आर्थिक यात्रा में एक निर्णायक मील का पत्थर साबित हो सकता है।

चिंचनी में 15वीं जूनियर स्टेट लेवल डॉजबॉल चैंपियनशिप का भव्य आयोजन

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। चिंचनी स्थित डॉक्टर सांवरा के. डी. हाई स्कूल ग्राउंड में 15वीं जूनियर स्टेट लेवल डॉजबॉल चैंपियनशिप (2025-2026) का भव्य आयोजन किया गया। इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन महाराष्ट्र डॉजबॉल एसोसिएशन एवं पालघर डिस्ट्रिक्ट डॉजबॉल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण खेल महोत्सव में पालघर के खासदार डॉक्टर हेमंत सांवरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी पदाधिकारियों, आयोजकों और खिलाड़ियों को दिल से बधाई दी। डॉ. हेमंत सांवरा ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएँ युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करती हैं और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। यह स्पोर्ट्स फेस्टिवल न केवल खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी साबित हुआ, बल्कि जिले में खेलों के प्रति जागरूकता और उत्साह को भी नई दिशा देने वाला रहा।

मुंबई महानगरपालिका में महायुती की जीत सुनिश्चित : डॉ दयानंद तिवारी

मुंबई (उत्तर शक्ति)। भाजपा के वरिष्ठ हिंदूवादी नेता व शिक्षाविद एवं मुंबई के उत्तर भारतीयों में सम्मानित प्रोफेसर डॉ दयानंद तिवारी ने चुनावी संग्राम से महायुति के उम्मीदवारों के लिए विपक्षियों पर जोरदार, आक्रामक प्रहार किया। डॉ प्रोफेसर दयानंद तिवारी ने कहा– की महायुति की जीत तय है! सर्वे रिपोर्ट साफ बता रहां है कि मुंबई महानगरपालिका में महायुति 180+ सीटों पर प्रचंड विजय हासिल करने जा रही है। उन्होंने ललकारते हुए कहा कि अब मुंबई सुरक्षित मुंबई, स्वच्छ मुंबई, सुंदर मुंबई, निरोगी मुंबई, मुंबई को पॉल्यूशन-फ्री और भ्रष्टाचार-मुक्त करने के लिए मुंबई !महायुति के उम्मीदवार को भारी मतों से जिताए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़वीस जी और श्री एकनाथ शिंदे जी तथा आर पी आई (ए) गुट रामदास आठवले के सशक्त नेतृत्व वाली महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने पिछले 11 वर्षों में विकास कामों का इतिहास रचा है। अब विकास को अधिक गति देने–के लिए 15 जनवरी को होने वाले मुंबई महानगरपालिका चुनाव में महायुति को वोट दें, महायुति को जिताएं महायुति का मेयर बनाएँ, और मुंबई को सुरक्षित हाथों में /महायुति को सौंपें!

समरस फाउंडेशन द्वारा बच्चों को टी शर्ट वितरित, राहुल यादव का किया गया सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा आज बच्चों को टी-शर्ट वितरित किया गया और मुंगरा बादशाहपुर, जौनपुर से आए सपा नेता राहुल यादव का सम्मान किया गया। संस्था के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में मुंबई के सपा नेता रमाकांत यादव का भी सम्मान किया गया। संस्था द्वारा टी-शर्ट मिलने के बाद बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में चेयरमैन डॉ किशोर सिंह के अलावा उपाध्यक्ष मुकुंद शर्मा, लल्लन सिंह,उपाध्यक्ष मानिकचंद यादव, महासचिव शिवपूजन पांडे, रामकृपाल शर्मा, एडवोकेट भारत पांडे, सुरेंद्र पांडे, एडवोकेट प्रशांत परदेसी, संकटा प्रसाद दुबे, छेदी महाराज,ललित पांडे, चौथीराम कनौजिया, त्रिभुवन शर्मा,अश्वनी मुन्ना पटेल, चंद्रिका, हरीश जोशी, कृष्णा यादव, रमाकांत जे यादव, लालजी यादव,पृथ्वी यादव, सुरेंद्र सिंह, दिनेश रस्तोगी, अनिल कनौजिया , निमेष शाह, रामराज पाल, रामप्रसाद, सुनील मौर्य,पी राम मौर्य, कृष्ण कुमार दुबे, पृथ्वी पाल यादव, समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

न्यू ईयर में अनन्या पांडे ने बड़े रेजोल्यूशन्स की जगह सरल आदतों को अपनाया

मुंबई/पटना। अनन्या पांडे 2026 में कदम रखते हुए खुद को रियल बनाए रख रही हैं। एक नए इंस्टाग्राम रील में अभिनेत्री आईने के सामने खड़े होकर नए साल के संकल्पों से जुड़ी परिचित दबाव पर खुद से बात करती नजर आती हैं।समय कितनी तेजी से निकल जाता है और ह्न्यू ईयर, न्यू मीह्नकी सोच के साथ आने वाली चिंता को स्वीकार करते हुए, अनन्या एक ज्यादा संतुलित रास्ता चुनती हैं–असंभव मानकों के पीछे भागने के बजाय छोटे और टिकाऊ आदतों पर ध्यान देती हैं। बेहतर नींद, पर्याप्त पानी पीना और नियमित व्यायाम जैसे कदमों के जरिये उनका संदेश परफेक्शन नहीं, बल्कि स्थिरता पर केंद्रित है।वह अपनी सुबह की दिनचर्या का एक आसान लेकिन अहम हिस्सा भी साझा करती हैं–दिन की शुरूआत मुट्ठी भर कैलिफोर्निया बादाम से करना। प्राकृतिक ऊर्जा का स्रोत होने के कारण बादाम उन्हें पूरे दिन सक्रिय रखते हैं।

भिवंडी मनपा चुनावः वार्ड क्रमांक 17 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की चुनावी सभा में महिलाओं ने दिखाया उत्साह

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा चुनाव आगामी 15 जनवरी को होने जा रहे हैं, जिसके चलते शहर में चुनावी सरगर्मी अपने चरम पर पहुँच चुकी है। सभी राजनीतिक दल मतदाताओं को रिझाने के लिए जोर-शोर से प्रचार अभियान चला रहे हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से वार्ड क्रमांक 17 में एक महत्वपूर्ण चुनावी सभा का आयोजन किया गया। यह सभा पद्मानगर स्थित शिवसेना ऑफिस चौक पर संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय महिला व पुरुष एवं पार्टी कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित थे। सभा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वार्ड क्रमांक 17 अ से पुष्पा सुधाकर सोनवणे, वार्ड क्रमांक 17 क से अरुणा लक्ष्मण बोम्माकंटी तथा वार्ड क्रमांक 17 ड से कोंडी मल्लेशम ने चुनावी रण में अपनी दावेदारी को मजबूती से पेश किया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने शहर की मूलभूत समस्याओं जैसे जल आपूर्ति, स्वच्छता, सड़क, नालियों की दुर्दशा और विकास कार्यों में पारदर्शिता का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे विकास, स्थिरता और ईमानदार नेतृत्व के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को समर्थन दें। सभा के दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि जनता का सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है और वार्ड 17 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी मजबूत स्थिति में है।

सभा का समापन जोशीले नारों और पार्टी के पक्ष में मतदान की अपील के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष व भिवंडी निरीक्षक स्टार प्रचारक महेश शिंदे, प्रदेश महासचिव अनिल फड़तरे , भिवंडी शहर अध्यक्ष प्रवीण पाटील, भिवंडी पूर्व शहर अध्यक्ष श्रीकांत चेट्टीपेल्ली, भिवंडी शहर उपाध्यक्ष विनोद मेंगजी, भिवंडी शहर उपाध्यक्ष नामदेव अहिरे आदि के साथ भारी संख्या में राकांपा पदाधिकारी व महिला, पुरुष उपस्थित थे।

टेक्नो पेंट्स ने सचिन तेंदुलकर को अपना ब्रांड एंबेसडर घोषित किया

मुंबई। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर को पेंट निमार्ता कंपनी टेक्नो पेंट्स एंड केमिकल्स का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। वे तीन साल तक कंपनी के ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे। घरेलू पेंट बाजार में 25 वर्षों से अपनी मजबूत स्थिति स्थापित कर चुकी और आठ राज्यों में सफलतापूर्वक ऑपरेशंस कर रही यह कंपनी सचिन तेंदुलकर के जुड़ने से पूरे देश में विस्तार करने की योजना बना रही है।

टेक्नो पेंट्स एंड केमिकल्स के चेयरमैन अकुरी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा, विश्व के सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेटर और भारत रत्न सचिन तेंदुलकर के साथ जुड़ना करना हमारे लिए सम्मान की बात है। हम इस साल विस्तार और आईपीओ के साथ और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए तत्पर हैं, और सचिन तेंदुलकर से बेहतर कोई एम्बेसडर और ग्रोथ पार्टनर नहीं हो सकता था।

इससे पहले 2023 में, कंपनी ने फिल्म अभिनेता महेश बाबू को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की थी। वह दो साल की अवधि के लिए कंपनी के ब्रांड एंबेसडर रहे थे।

टेक्नो पेंट्स एंड केमिकल्स के चेयरमैन अकुरी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि कंपनी 2026-27 में डीआरएचपी (डिजिटल डेवलपमेंट प्लानिंग) दाखिल करेगी। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया 2026-27 में ही पूरी हो जाएगी।

उन्होंने खुलासा किया कि आईपीओ के जरिए 500 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे।

ग्राम पंचायत सदस्या चेतना चंद्रकांत संखे को मातृ शोक

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के ग्राम पंचायत पाम की ग्राम पंचायत सदस्या चेतना चंद्रकांत संखे की सासु माताजी गोदावरी गजानन संखे का सोमवार 5 जनवरी 2026 को 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से संखे परिवार पर शोक की लहर छा गई है। स्वर्गीय गोदावरी संखे का अंतिम संस्कार उनके पुत्र चंद्रकांत संखे द्वारा किया गया। वे अपने पीछे पुत्र, पुत्रियां, नाती-नतिनी से भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। सरल स्वभाव और धार्मिक प्रवृत्ति के लिए वे क्षेत्र में सम्मानित थीं। उनके निधन पर ग्राम पंचायत सरपंच व सदस्यों, सामाजिक कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। स्वर्गीय गोदावरी संखे का विधि क्रियाकर्म गुरुवार 15 जनवरी 2026 को संपन्न किया जायेगा। उनके निवास स्थान पर आयोजित शोकसभा के दौरान सभी लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने एवं शोकाकुल परिवार को इस दुःख की घड़ी में सहन शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

मुलुंड में उत्तर भारतीय स्नेह सम्मेलन संपन्न, भाईचारे और एकता का दिया संदेश

मुंबई (उत्तरशक्ति)। युवा ब्रिगेड एसोसिएशन (रजि.) के अध्यक्ष डॉ. सचिन सिंह के नेतृत्व में मुलुंड पश्चिम में उत्तर भारतीय स्नेह सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शनिवार, 10 जनवरी 2026 को भानबाई निवास, कादंबरी महात्मा गांधी रोड, मुलुंड पश्चिम में सायं 4 बजे मकर संक्रांति के पूर्व आपसी भाईचारा, सामाजिक एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज के लोग, सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने आपसी विचार-विमर्श किया और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने पर जोर दिया। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सहयोगियों, इष्ट मित्रों और उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ. सचिन सिंह, डॉ. आर. एम. पाल, बाबूराम चौधरी, डी. आर. सिंह, ललयाद यादव, हजारी सिंह, मौजी सिंह, दया पाल, शरीफ खान, राजेश सिंह, चतुर्वेदी, मोहित सिंह, सचिन यादव, मुन्ना सिंह, अविनाश पाठक, रंजीत गुप्ता, जगदीश शर्मा, विनोद सिंह, योगेंद्र श्रीवास्तव, रामराज सिंह, जिग्नेश सिंह, ओंकार सिंह एवं बबीता गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। सम्मेलन में मुलुंड महानगरपालिका चुनाव 2026 के अंतर्गत कांग्रेस प्रत्याशी प्रभाग क्रमांक 104 से हेमंत बापट भी विशेष रूप से शामिल हुए। डॉ. सचिन सिंह द्वारा उनका पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस दौरान डॉ. सचिन सिंह ने हेमंत बापट को उत्तर भारतीय समाज की ओर से माउथ टू माउथ प्रचार का भरोसा दिलाते हुए उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और समाज में एकता व सहभागिता का मजबूत संदेश देकर समाप्त हुआ।

राजन नाइक की उपस्थिति में नालासोपारा ईस्ट और विरार वेस्ट के कार्यकताओं का भाजपा में प्रवेश

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई- विरार क्षेत्र की राजनीति में आज एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम देखने को मिला। नालासोपारा ईस्ट और विरार वेस्ट इलाकों की विभिन्न राजनीतिक पार्टियों से जुड़े पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने आज आधिकारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश किया। यह प्रवेश कार्यक्रम भाजपा नेता राजन नाइक की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

भाजपा की विकासोन्मुख नीतियों, स्थिर नेतृत्व और मजबूत संगठनात्मक ढांचे से प्रभावित होकर इन कार्यकर्ताओं ने पार्टी से जुड़ने का निर्णय लिया। इस अवसर पर राजन नाइक ने सभी नए साथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा वसई-विरार के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और नए साथियों की ऊर्जा से संगठन और अधिक सशक्त होगा।

कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि भाजपा के नेतृत्व में क्षेत्र में विकास की नई गति मिलेगी। सभी ने एकजुट होकर वसई-विरार के उज्ज्वल भविष्य के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

पत्थरों से इतिहास लिखने वाले गागोर्टी म्यूजियम के डायरेक्टर केसी पांडे का लल्लन तिवारी ने किया सम्मान

भायंदर (उत्तरशक्ति)। पत्थरों का महत्व निर्माण (मजबूती), इतिहास (स्मारक, शिलालेख), अर्थव्यवस्था (खनिज, उद्योग), संस्कृति (पूजा, कला), और दैनिक जीवन (आग जलाने से लेकर सजावट) तक फैला है, जो उन्हें मानव सभ्यता का एक अनिवार्य हिस्सा बनाता है, जो मजबूती, सौंदर्य और ऐतिहासिक जानकारी प्रदान करते हैं। कीमती और मूल्यवान पत्थरों को सजाकर उसे प्रेरणादायक स्वरूप में प्रस्तुत करने वाले नाशिक के सुप्रसिद्ध गागोर्टी द मिनरल म्यूजियम के संस्थापक चेयरमैन तथा प्रबंध निदेशक केसी पांडे का देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी ने मीरा रोड स्थित राहुल इंटरनेशनल स्कूल के आलीशान कार्यालय में सम्मान किया। इस अवसर पर आदित्य कॉलेज के चेयरमैन हरिश्चंद्र मिश्रा, समाजसेवी देवेंद्र तिवारी, युवा अधिवक्ता एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, एडवोकेट भारत पांडे, सुरेंद्र पांडे, रामराज पाल, सुधीर आनंद पांडे, एडवोकेट त्रिभुवन तिवारी, सुरेंद्र मिश्रा, जेबी यादव समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। श्री पांडे मुंबई के सुप्रसिद्ध उद्योगपति दिनेश त्रिपाठी के निजी कार्यक्रम में भाग लेने मीरा रोड आए हुए थे।

1960 में उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में स्थित सोहसा गांव में पुलिस अधिकारी रहे पंडित श्याम सुंदर पांडे के पुत्र के रूप में पैदा हुए केसी का बचपन से ही पत्थरों के प्रति अटूट प्रेम रहा। भारतीय नौसेना में चीफ एयर आर्टिफिशिर के रूप में 15 वर्षों तक देश की सेवा की। लोनावाला में प्रशिक्षण के दौरान पत्थरों के करीब आने का अवसर मिला। यहीं से शुरू हुई उनकी पत्थरों की एक नई दुनिया, जिसने उन्हें पूरे विश्व में चर्चित कर दिया।

9 साल तक श्री साईं बाबा संस्थान, शिर्डी के ट्रस्टी रहे। शिर्डी में 8 एकड़ के एरिया में उनका दूसरा प्रकल्प बन रहा है, जिसमें म्यूजियम के अलावा आलीशान होटल का भी निर्माण किया जा रहा है। गागोर्टी म्यूजियम देखने के बाद बाबा रामदेव ने कहा कि इस म्यूजियम में पत्थर भी बोलते हैं। संत राजेंद्र दास मलूक, स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जैसे अनेक आध्यात्मिक संतों ने गागोर्टी म्यूजियम के पत्थरों को अद्भुत बताया है। हर कंकर में शंकर की अनुभूति करने वाले केसी पांडे तमाम उपलब्धियों के बावजूद खुद को समाज का अदना सा सेवक मात्र मानते हैं।

स्नेहा दुबे पंडित की मौजूदगी में वार्ड नंबर 24 में महायुति का भव्य जनसंपर्क अभियान संपन्न

वसई-विरार (उत्तरशक्ति)। वसई विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन आम चुनाव 2025-2026 के मद्देनजर भाजपा-शिवसेना-श्रमजीवी संगठनझ्रअग्री सेना महायुति की ओर से वार्ड नंबर 24 में एक सुनियोजित और प्रभावशाली जनसंपर्क अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व स्नेहा दुबे पंडित ने किया। महायुति के वार्ड नंबर 24 के अधिकृत उम्मीदवार (ए) पाटिल अतुल अविनाश, (बी) श्रीमती दीकोष्टा स्मिता रॉबर्ट, (सी) श्रीमती गोवारी भावना भावेश, (डी) तावड़े सिद्धेश रमेश ने एकजुट होकर क्षेत्र में व्यापक प्रचार किया। जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत किंग्स्टन टावर अग्रवाल, राजहंस क्षितिज, मथुरा कॉम्प्लेक्स और 100 फीट रोड परिसर में नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद किया गया। इस दौरान महायुति की विकासोन्मुख नीतियों, बेहतर बुनियादी सुविधाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, स्वच्छता, सुरक्षा और पारदर्शी प्रशासन जैसे अहम मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। स्थानीय नागरिकों ने महायुति के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए विकास के एजेंडे को समर्थन देने की बात कही। अभियान के दौरान महायुति के सभी उम्मीदवार, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। जनता के उत्साह और समर्थन ने यह स्पष्ट कर दिया कि वार्ड नंबर 24 में महायुति को मजबूत जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है।

वसई रिक्शा यूनियन के पदाधिकारी भाजपा में शामिल, विकास कार्यों पर जताया भरोसा

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई विधानसभा क्षेत्र में पिछले एक वर्ष में हुए बड़े विकास कार्यों और आने वाले समय में वसई-विरार नगर निगम के माध्यम से लागू किए जाने वाले विकास प्लान से प्रभावित होकर वसई रिक्शा यूनियन के पदाधिकारी भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। यह ऑफिशियल जॉइनिंग विधायक पब्लिक रिलेशन्स ऑफिस, वसई वेस्ट में संपन्न हुई।

वसई रिक्शा यूनियन के जनरल सेक्रेटरी विजयकुमार मिश्रा, वर्किंग प्रेसिडेंट नारायण पुरोहित, वाइस प्रेसिडेंट अच्छेलाल शुक्ला, सेक्रेटरी अमित मिश्रा सहित यूनियन के सभी पदाधिकारी और सदस्य विधायक स्नेहा दुबे पंडित तथा सांसद डॉ. हेमंत सावरा की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए। इस अवसर पर यूनियन पदाधिकारियों ने भाजपा महायुति के सभी उम्मीदवारों को सार्वजनिक रूप से समर्थन देने और विकास यात्रा में सहभागी बनने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में सांसद डॉ. हेमंत सावरा, वसई-विरार शहर जिला भाजपा के जनरल सेक्रेटरी बिजेंद्र कुमार, तथा वार्ड क्रमांक 26 से भाजपा महायुति के उम्मीदवार–श्रीमती चारुशीला मधुकर घरत, एडवोकेट साधना मधुकर धुरी, कोलासो मैथ्यू मार्टस और नायर उत्तमकुमार भास्कर–सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। रिक्शा यूनियन का यह समर्थन वसई में हो रहे विकास कार्यों पर जनता के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह समर्थन आने वाले नगर निगम चुनावों में भाजपा महायुति की जीत में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

भिवंडी में हर्षोल्लाश से मनाई गई इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डा. काउंट सीजर मैटी की 217 वीं जयंती

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के इलेक्ट्रो होम्योपैथी प्रैक्टिशनर एसोसिएशन द्वारा कल्याण रोड स्थित होटल के.एन.पार्क में डा. काउंट सीजर मैटी की 217वीं जयंती मनाई गयी। बतादें कि कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके बीएनएन कालेज के वाइस प्रिंसिपल प्रो. डा. कुलदीपसिंह राठौर के हाथों किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भिवंडी पूर्व के विधायक रईस शेख एवं सम्मानीय अतिथि के रूप में मुंबई मेट्रो के डा. जे.पी.राय एवं एनबीटी के रिपोर्टर वी.के.सिंह,स्वयं सिद्धि नाइट डिग्री कालेज के प्रिंसिपल प्रो. रवि एस. बिटला एवं शोभनाथ मौर्या उपस्थित थे। आये हुए अतिथियों का स्वागत डा. एम.एल. यादव सहित अन्य डाक्टरों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान मधुमेह एवं चर्मरोग पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया था जिसमें एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. बी.आर. पटेल एवं जेपी राय सहित अन्य इलेक्ट्रो होम्योपैथी प्रैक्टिशनर ने संबोधित किया। डा. बी.आर. पटेल ने बताया कि महाराष्ट्र में इलेक्ट्रो होम्योपैथी प्रैक्टिशनर्स उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार बिना पंजीयन के प्रेक्टिस करते हैं। राजस्थान सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी प्रैक्टिशनर्स के लिए मेडिकल काउंसिल बनाया गया है जहां उनका पंजीयन किया जाता है। मेडिकल काउंसिल में पंजीयन होने के बाद उन्हें प्रेक्टिस करने में कोई दिक्कत नहीं आती है वहीं डा. पटेल ने राज्य सरकार से राजस्थान की तरह महाराष्ट्र में इलेक्ट्रो होम्योपैथी प्रेक्टिशनर्स के लिए मेडिकल काउंसिल बनाने की मांग की गई है। कार्यक्रम को सफल बनाने में एसोशिएशन के अध्यक्ष ई. डा. बी.आर. पटेल, सचिव ई. डा. एम.एल. यादव, कोषाध्यक्ष ई. डा. एन.एल. पटेल सहित ईपी एस.के. पटेल, एच.एल. पटेल, आर.के. पटेल, एच.एस. पटेल, किशोर कावड़े, राजेंद्र विश्वकर्मा, आर.एस. पटेल, जे.एल. प्रजापति, वी.के. पटेल, एम.ई. भोई, डी.आर. पटेल का विशेष परिश्रम रहा है।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने समाचार पत्र विक्रेताओं को किया ड्रेस वितरित

कहा- हर मौसम में कड़ी मेहनत करते हैं समाचार पत्र विक्रेता बन्धु

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर समाचार पत्र विक्रेता संघ के सदस्यों को वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने ड्रेस, जैकेट, जर्सी एवं शूज वितरित किया। यह वितरण उनकी अनुपस्थिति में उनका प्रतिनिधित्व कर रहे समाजसेवी शिवा सिंह ने किया।

इस मौके पर अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार शशिमोहन सिंह क्षेम ने कहा कि समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह की सोच बहुत अच्छी एवं नेक है। सुबह आंख खुली और अखबार आपके हाथ में होता है, यह सब अखबार विक्रेताओं की बदौलत होता है जिनकी पीड़ा को समझकर उन्होंने जो कार्य किया है, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाय, कम है।

इसी क्रम में समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह का प्रतिनिधित्व कर रहे शिवा सिंह ने कहा कि यह सभी समाचार पत्र विक्रेता जाड़ा, गर्मी, बरसात की परवाह किये बगैर भोर में अखबार की प्रतियां घर-घर पहुंचाते हैं। यह बहुत कठिन काम है। इनको तो शासन–प्रशासन एवं समाजसेवियों को हर संभव सहयोग बराबर करना चाहिए।

इसके पहले उपरोक्त अतिथियों सहित सम्पादक आदर्श कुमार, समूह सम्पादक रामजी जायसवाल, अवधेश यादव, अम्बुल शुक्ला ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम की शुरूआत किया जिसके बाद समाचार पत्र विक्रेताओं ने अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद जिलाध्यक्ष राम सहारे मौर्य ने अतिथियों को माला पहनाकर स्वागत किया। तत्पश्चात आदर्श कुमार ने समाचार पत्र विक्रेताओं को संगठन के नियम बताया। साथ ही समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के इस नेक कार्य की सराहना किया। कार्यक्रम का संचालन जिलाध्यक्ष राम सहारे मौर्य ने किया।

इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष राम प्यारे प्रजापति, अवधेश मौर्य, मंगरु राम मौर्य, नरेंद्र मौर्य, सुनील मौर्य, बबलू मौर्य, विजय शर्मा, पंकज मौर्या, मो. इलियास, गुलफाम, मो. रफीक, भारत मौर्य, संतोष मौर्य, राजेश मौर्य, राम दुलारे मौर्य, कुलदीप साहू, शिवशंकर प्रजापति, प्रवीण शर्मा, शैलेन्द्र मौर्य, रमेश मौर्य, सोनू साहू, अखिलेश मौर्य, संतोष पचोखर, मनीष मौर्य, चन्द्रेश मौर्य, राजकुमार, अनिल मौर्य सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। अन्त में महासचिव अवधेश मौर्य ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आप ने किया विरोध प्रदर्शन

भारत सरकार द्वारा बांग्लादेश के खिलाफ जल्दी कठोर फैसले लिए जाएं: आम आदमी पार्टी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आम आदमी पार्टी जौनपुर द्वारा बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा, हत्याओं और आगजनी के विरोध में रविवार को जौनपुर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और जिला प्रशासन को ज्ञापन शौपा गया। इस दौरान शहर के अम्बेडकर तिराहे पर बांग्लादेश सरकार का के खिलाफ नारेबाजी किया गया प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार, आतंकवाद और जिहाद के खिलाफ नारेबाजी की. प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना था कि बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदू समाज के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है, हिंदुएं की हत्याएं की जा रही हैं और हिंदुओं की संपत्तियों को आग लगाई जा रही है, वह बहुत निंदनीय है इस पर भारत सरकार को बांग्लादेश के खिलाफ जल्द कठोर फैसला लेना चाहिए।

उक्त प्रदर्शन में प्रमुख रूप से शामिल हुए पूर्वांचल प्रांत के प्रभारी डॉ. अनुराग मिश्रा, जिलाध्यक्ष राम रतन विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष विजय सिंह बागी, जिला महासचिव विनोद प्रजापति, जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी, महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष अनीता मिश्रा, जिला महासचिव वंदना मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष श्वेता चौधरी, व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष हिंच नारायण तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष विद्याधर मिश्र, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश अस्थाना, वरिष्ठ सदस्य अनुराग मणि त्रिपाठी, सोम वर्मा, प्रदीप मिश्रा, जिला कार्यकारी सदस्य बबलू गुप्ता, जय सिंह गौतम, ओबीसी प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव विनय यादव, यूथविंग प्रदेश उपाध्यक्ष आशुतोष मौर्या, शाहगंज विधानसभा अध्यक्ष शिवजी मिश्रा, त्रिलोकीनाथ, लाले बिन्द, जफर मसूद, संजय पाल, धानसिर, लालमन, प्रशांत यादव, आनंद यादव, विनोद कुमार, सुभाषचंद्र गौतम, नंदलाल, ओमप्रकाश सिंह, आरके उपाध्याय, वेदन गौतम, अजय कुमार, रोशन लाल, बृजेश कुमार, चंद्रावती देवी, पूजा गौतम, पूनम देवी, सुशीला देवी, इस्लाम खान, रमेश, अवधेश तिवारी, कुलदीप पाण्डेय, एडवोकेट विकास, जित्तू चौहान इत्यादि सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉ अनुराग मिश्रा ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू समाज की सुरक्षा कैसे की जाए, वहां बड़ी संख्या में हिंदू होने के बाद भी वहां के बहुसंख्यक समाज के लोगों ने 25 साल के एक हिंदू युवक की निर्मम तरीके से हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रतिष्ठानों को जलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह घृणित कार्य है। उन्होंने कहा,"हम केंद्र सरकार को चेताना चाहते हैं। अगर बांग्लादेश की स्थिति नहीं संभली तो हम लोग उग्र आंदोलन करेंगे और सरकार को जगाने का काम करेंगे। रामरतन विश्वकर्मा ने कहा कि भारत सरकार बांग्लादेश के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं कर रही है इस पर भी आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने विरोध जताते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए यह मांग किए की अदानी द्वारा बांग्लादेश को बिजली सप्लाई बंद की जाए। उक्त प्रदर्शन की जानकारी जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी ने दिया।

आज की पत्रकारिता बिल्कुल डरने वाली नहीं, क्योंकि जो डरा रहा है वही डरा हुआ है: अशोक वानखेड़े

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर में रविवार को श्रीकांत वर्मा मैमोरियल अवार्ड पत्रकार सम्मान समारोह तंदूरी दरबार बैंकेट हाल शाहगंज पड़ाव में आयोजित हुआ। श्रीकांत वर्मा एक प्रसिद्ध पत्रकार थे, जिन्होंने विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में काम किया था। उन्होंने दिनमान पत्रिका के विशेष संवाददाता के रूप में कार्य किया था। उनकी पत्रकारिता की शुरूआत बिलासपुर से हुई थी, जहां उन्होंने 'नयी दिशा' पत्रिका का संपादन किया था। श्रीकांत वर्मा की पत्रकारिता की विशेषता यह थी कि उन्होंने साहित्य और राजनीति के बीच की दूरी को कम किया था। उन्हीं की याद में यह कार्यक्रम डॉ.प्रमोद सिंह, आरिफ खान, शाहनवाज मंजूर की टीम ने आयोजित किया जिसके मुख्य अतिथि थे महाराष्ट्र राज्य से आए वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े जिन्होंने उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के उप -सम्पादक डॉ.इम्तियाज अहमद,जिला संवाददाता रियाजुल हक को श्रीकांत वर्मा अवॉर्ड से नवाज कर सम्मानित किया।

70.28 लाख से प्रयागराज–गोरखपुर राजमार्ग का होगा कायाकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र स्थित प्रयागराज-गोरखपुर राजमार्ग को विशेष मरम्मत के तहत सुधारा जाएगा। इसमें कुल 70 लाख 28 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे, जिसकी स्वीकृति शासन से मिल गई है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने पर कार्य शुरू करा दिया जाएगा। इस मार्ग की मरम्मत होने के बाद 50 हजार से अधिक लोगों का आवागमन सुगम हो जाएगा। प्रयागराज-गोरखपुर राजमार्ग पर प्रतिदिन 50 हजार से अधिक लोगों का आवागमन होता है। मार्ग बदहाल होने से राहगीरों को आवागमन के दौरान हादसे का डर बना रहता है। सबसे ज्यादा दिक्कतें बारिश के समय होती हैं। सड़क पर बने गड्ढों में पानी भर जाने से आवागमन और दुश्वार हो जाता है। लोक निर्माण विभाग की ओर से बीते महीने करीब दो किलोमीटर मार्ग क्षतिग्रस्त मार्ग को चिह्नित कर प्रस्ताव शासन स्तर पर भेजा गया था, जिसकी स्वीकृति मिल गई है। इस मार्ग के निर्माण में कुल 70 लाख 28 हजार खर्च किया जाएगा, जिसकी पहली किस्त 24 लाख 59 हजार रुपये जारी कर दिए गए हैं। टेंडर प्रक्रिया चल रही है। एक सप्ताह में कार्य शुरू करा दिया जाएगा। अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग विशाल सिंह ने बताया कि प्रयागराज-गोरखपुर राजमार्ग को विशेष मरम्मत के तहत सुधारा जाएगा, जिसकी स्वीकृति मिल गई है।

अवैध कब्जा से हटाया गया अतिक्रमण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया अवलेशपुर में सरकारी जमीन डेढ़ एकड़ पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा था। जमीन बंजर थी आज नगर निगम की टीम भारी पुलिस बल के साथ जेसीबी लेकर मौके

पर अतिक्रमण हटाने के लिए पहुंची अतिक्रमण हटाने के दौरान उपस्थित महिलाओं ने भारी विरोध किया मगर भारी पुलिस बल के सामने किसी की न चाली। कुछ लोग चितईपुर चुनार मार्ग को जाम करने की कोशिश की मगर पुलिस ने लोगों को तत्काल हटा दिया अवैध अतिक्रमण को ढ़हा दिया गया। जवाहर लाल ने बताया कि बिना सूचना दिए प्रशासन ने हम लोगों को जबरदस्ती बाहर कर रहने के स्थान को ध्वस्त कर दिया। इस मौके पर एसीपी संजीव शर्मा रोहनिया मंडुवाडीह लोहता प्रभारी भी मौजूद थे वहीं नगर निगम के आला अधिकारी भी ध्वस्तीकरण के समय मौजूद थे।

मनरेगा खत्म कर गरीबों का हक छीन रही है मोदी सरकार: डा.प्रमोद कुमार सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केन्द्र की मोदी सरकार पूंजीपतियों के इशारे पर

मनरेगा कानून को खत्म कर गरीबों की रोजी रोटी छीनने का काम कर रही है, कांग्रेस पार्टी मोदी और संघ के इस साजिश को सफल होने नहीं देगी। उक्त बातें कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा.प्रमोद कुमार सिंह ने रविवार को मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत शहर के एक होटल में प्रेस प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा.प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि मनरेगा सिर्फ कानून ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों, मजदूरों और महिलाओं को गांव में ही रोजगार देने में क्रांतिकारी साबित हुआ था। प्रमोद सिंह ने कहा कि संघ और भाजपा को गांधी नाम से समस्या है, इसलिए संघ की मानसिकता वाली मोदी सरकार बार बार गांधी पर हमला करती रहती है, गांधी का नाम मिटाने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का नाम बदल रही है। मनरेगा डा.मनमोहन सिंह की सरकार द्वारा बनायी गयी एक ऐसी योजना थी जो ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों को गारंटी के तहत रोजगार उपलब्ध कराती थी, किंतु मोदी सरकार गरीबों की गारटी को छीनकर उनके हक और अधिकार पर डाका डाल रही है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने सरकार पर आरोप लगाया कि नये कानून से ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों का पलायन होगा जिनका शोषण मोदी के उद्योगपती मित्र करेंगे, बात ही जी रामजी योजना में सरकार भेदभाव करेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में ठेकेदारी प्रथा बढ़ जायेगी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आगे कहा कि मनरेगा का नाम, कानून और गरीबो के अधिकारो की रक्षा के लिए कांग्रेस बड़ा आंदोलन खड़ा करेगी। प्रेस कांफ्रेंस शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान तथा मनरेगा बचाओ संग्राम के कोआर्डिनेटर डा.राकेश मिश्रा मंगला गुरु ने भी संबोधित किया।इस मौके पर प्रदेश सचिव पंकज सोनकर, संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा, अनिल दूबे आजाद, शैलेन्द्र यादव, ललित चौरसिया, धीरज उपाध्याय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गरीब असहायों की सेवा करना ही हमारा मुख्य उद्देश्य: पूर्व विधायक सुरेंद्र नारायण सिंह

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में कड़ाके की ठंड से राहत पाने हेतु पूर्व विधायक रोहनिया सुरेंद्र नारायण सिंह ने जरूरतमंदों को वितरण किया कंबल। रोहनिया कड़ाके की ठंड व शीतलहर से राहत पाने हेतु पूर्व विधायक रोहनिया सुरेंद्र नारायण सिंह ने औढ़े स्थित अपने आवास पर रविवार को

आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम में क्षेत्र के आए हुए सैकड़ो गरीब असहाय जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया।कंबल पाकर गरीब बुजुर्गों का चेहरा खिल उठा।पूर्व विधायक सुरेंद्र नारायण सिंह ने कहा कि गरीब असहायों की सेवा करना मेरा परम कर्तव्य है। कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान लगभग 600 कंबल वितरण किया गया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वीरेश्वर उर्फ वीरू सिंह, संदीप सिंह कपिल, अजय दुबे, विकास दुबे, दीपक सिंह, देवेंद्र उर्फ गोपाल सिंह, राधेश्याम सिंह, अनूप श्रीवास्तव, गोपाल नारायण सिंह, धर्मेंद्र यादव, गुड्डू सिंह प्रधान, विनोद प्रकाश सिंह, सुनील सिंह, नितेश सिंह, धीरेंद्र सिंह, उदय भान सिंह ऊदल, दिनेश सिंह, गोल्डेन सिंह, सत्य प्रकाश दुबे, विक्रम पटेल, भरत दुबे, रामजी यादव, अजय गोड़ इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जौनपुर नगर के तत्त्वाधान में युवा वनविहार व सहभोज कार्यक्रम का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जौनपुर नगर

के तत्त्वाधान में युवा वनविहार व सहभोज कार्यक्रम का आयोजन राज कालेज मैदान में किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में नितेश जी ने कहा कि युवा पीढ़ी को जीवन में स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों का अनुपालन करना चाहिए। हिंदू दर्शन, वेद, वेदांतो के अनुसार जीवनशैली अपनाए।

स्वामी जी ने व्यक्ति निर्माण पर विशेष बल दिया जो कि संघ की शाखाओं पर प्रतिदिन होता है व पंच प्रण (सामाजिक समरसत, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य व स्व. का जागरण) का विस्तार से चर्चा किए। कार्यक्रम का संचालन अतुल जी सह संयोजक ने किया। कार्यक्रम में नगर कार्यवाह डॉ.राजीव जी, नगर प्रचारक मंगलेश्वरम जी, अविनाश जी, प्रदीप जी, राजीव जी, अजय जी, हर्षवर्धन जी, विक्रांत जी, अनिकेत जी, शिवांश जी, दीपक जी, आशुतोष जी, नारायण जी, सूर्य जी इत्यादि स्वयंसेवक व गणमान्य बंधुओं की उपस्थिति रही।

अंतरजनपदीय चोर गिरोह का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

मंदिर, ग्राहक सेवा केंद्र व दुकानों की चोरी का खुलासा, चोरी का सामान व दो मोटरसाइकिल बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना खुटहन पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ०कौस्तुभ के निर्देशन में तथा थानाध्यक्ष रामाश्रय राय के नेतृत्व में थाना खुटहन पुलिस टीम ने अंतरजनपदीय स्तर पर सक्रिय शातिर चोर गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर कई चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण किया है।

पुलिस के अनुसार 10 जनवरी 2026 की रात मुखबिर की सूचना पर धीरौली कुशल स्थित पुराने बंद भट्ठे के पास दबिश दी गई, जहां से चार आरोपियों को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने पटैला बाजार स्थित ग्राहक सेवा केंद्र, इलेक्ट्रॉनिक दुकान तथा शेखपुर अशरफपुर गांव के मंदिर में हुई चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से इन्वर्टर, बैटरियां, पंखा, मिक्सर, तांबे के तार, समरसेबल पंप सहित भारी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया है। इसके साथ ही चोरी में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें भी जब्त की गई हैं।

पुलिस का कहना है कि गिरोह से जुड़े अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। सभी आरोपियों को विधिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। पूरी कार्रवाई कानून एवं मानवाधिकार से जुड़े दिशा-निर्देशों के अनुरूप की गई।

जिलाधिकारी द्वारा मतदेय स्थलों पर गहन विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में आज जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर गहन विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत बूथ लेवल अधिकारी द्वारा ईआरओ/एईआरओ/सुपरवाइजर, ग्रामवासियों आदि की उपस्थिति में आलेख्य मतदाता सूची को पढ़कर सुनाया गया। इसी क्रम में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा विधानसभा क्षेत्र 366 जौनपुर के बूथ संख्या 295 तथा विधानसभा क्षेत्र 365 शाहगंज के बूथ संख्या 48, 49, और 50 पर बीएलओ द्वारा आलेख्य मतदाता सूची के पाठन की समीक्षा और निरीक्षण की गई। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने ग्राम वासियों से संवाद कर निर्वाचक नामावली से संबंधित स्थिति की जानकारी ली और बताया कि उत्तर प्रदेश में निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन 06 जनवरी 2026 को किया जा चुका है आज जनपद के सभी बूथों पर बीएलओ द्वारा ड्राफ्ट निर्वाचक नामावली को आम जनमानस की उपस्थिति में पढ़ा गया है, यदि किसी पात्र नागरिक का नाम सूची में नहीं है, तो वह फॉर्म-6 भर सकता है, फॉर्म-6 आवेदन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम से किया जा सकता है, आवेदन के उपरांत बीएलओ द्वारा नियमानुसार सत्यापन किया जाएगा निर्वाचक नामावली की प्रविष्टि में संशोधन हेतु फार्म 8 भरा जा सकता है। उन्होंने उपस्थित बीएलओ और सुपरवाइजर को निर्देशित किया कि मतदाता सूची में जिन भी मतदाताओं के फोटो अस्पष्ट अथवा पुराने है, उनको चिन्हित कर ले, उनको बदलवाते हुए अपडेट कराएं। साथ ही ऐसे युवा मतदाता जो आयोग द्वारा निर्धारित 04 अर्हक तिथियों 01 जनवरी, 01 अप्रैल 01 जुलाई, 01 अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं उनके फॉर्म-6 भरवाएं। निरीक्षण के दौरान शीतलहर के दृष्टिगत जिलाधिकारी के द्वारा उपस्थित शिक्षा मित्र, रसोईए सहित अन्य लोगों को कंबल भी वितरित किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी परमानंद झा द्वारा मतदेय स्थल कंपोजिट विद्यालय मियांपुर जौनपुर सहित अन्य मतदेय स्थलों में आलेख्य मतदाता सूची के पाठन की गतिविधि का निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में अन्य मतदेय बूथों पर भी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, द्वारा बूथों पर आलेख्य मतदाता सूची के पाठन की समीक्षा गई तथा भ्रमण कर कार्यक्रम की निगरानी की गई।

चंदौली पहुंचे लाल बिहारी यादव, अयोध्या में मीट बैन पर सरकार को घेरा

चंदौली (उत्तरशक्ति)। जनपद में चंदौली पहुंचे विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने सपा कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत की। अयोध्या में मीट बैन पर उन्होंने कहा कि यह संविधान का उल्लंघन है और सरकार नागरिकों की स्वतंत्रता पर प्रहार कर रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी पसंद का खाना और पहनावा चुनने का अधिकार है। भाजपा पर तंज कसते हुए यादव ने कहा कि सरकार देश को सोने की चिड़िया बता रही है, जबकि 80 करोड़ लोग आज भी गरीबी रेखा के नीचे हैं और देश पर लगातार कर्ज बढ़ रहा है।

मुलुंड में उत्तर भारतीय स्नेह सम्मेलन संपन्न, भाईचारे और एकता का दिया संदेश

मुंबई। युवा ब्रिगेड एसोसिएशन (रजि.) के अध्यक्ष डॉ. सचिन सिंह के नेतृत्व में मुलुंड पश्चिम में उत्तर भारतीय स्नेह सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शनिवार, 10 जनवरी 2026 को भानबाई निवास, कादंबरी महात्मा गांधी रोड, मुलुंड पश्चिम में सायं 4 बजे मकर संक्रांति के पूर्व आपसी भाईचारा, सामाजिक एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज के लोग, सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने आपसी विचार-विमर्श किया और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने पर जोर दिया। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सहयोगियों, इष्ट मित्रों और उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ. सचिन सिंह, डॉ. आर. एम. पाल, बाबूराम चौधरी, डी. आर. सिंह, ललयाद यादव, हजारी सिंह, मौजी सिंह, दया पाल, शरीफ खान, राजेश सिंह, चतुवेर्दी, मोहित सिंह, सचिन यादव, मुन्ना सिंह, अविनाश पाठक, रंजीत गुप्ता, जगदीश शर्मा, विनोद सिंह, योगेंद्र श्रीवास्तव, रामराज सिंह, जिग्नेश सिंह, ओंकार सिंह एवं बबीता गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। सम्मेलन में मुलुंड महानगरपालिका चुनाव 2026 के अंतर्गत कांग्रेस प्रत्याशी प्रभाग क्रमांक 104 से हेमंत बापट भी विशेष रूप से शामिल हुए। डॉ. सचिन सिंह द्वारा उनका पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस दौरान डॉ. सचिन सिंह ने हेमंत बापट को उत्तर भारतीय समाज की ओर से माउथ टू माउथ प्रचार का भरोसा दिलाते हुए उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और समाज में एकता व सहभागिता का मजबूत संदेश देकर समाप्त

महिला में केरल और पुरुष में रेलवे बना नेशनल बादशाह

-सुरेश गांधी

वाराणसी। धर्म, संस्कृति और अध्यात्म की नगरी काशी ने अब राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर भी स्वर्णाक्षरों में अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में 35 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद उत्तर प्रदेश और पहली बार बनारस में आयोजित 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का समापन रविवार को ऐतिहासिक उल्लास और रोमांच के साथ हुआ। आठ दिनों तक चले इस महासमर में महिला वर्ग में केरल और पुरुष वर्ग में भारतीय रेलवे ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीतकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। वहीं महिला वर्ग में रेलवे और पुरुष वर्ग में केरल को उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। कांस्य पदक के लिए खेले गए हार्ड लाइन मुकाबलों में पुरुष वर्ग में पंजाब और महिला वर्ग में राजस्थान ने दमदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप ने यह साफ कर दिया कि काशी अब खेलों के राष्ट्रीय कैलेंडर में स्थायी ठिकाना बनने को

तैयार है। पीएम के संसदीय क्षेत्र से उठा यह खेल संदेश आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश को स्पोर्ट्स हब की दिशा में और मजबूती देगा। सिगरा स्टेडियम का इंडोर कोर्ट फाइनल मुकाबलों के दौरान खेल प्रेमियों से खचाखच भरा रहा। हर स्मैश, हर ब्लॉक और हर अंक पर उठती तालियों की गड़गड़ाहट ने यह साबित कर दिया कि काशी अब सिर्फ आध्यात्मिक ही नहीं, खेल चेतना की भी राजधानी बनने की ओर बढ़ चली है।

पुरुष फाइनल : रेलवे की रफ्तार के आगे बेबस केरल

रेलवे ने केरल को 3-0 (25-19, 25-17, 25-19) से हराकर खिताब अपने नाम किया। पुरुष फाइनल में रेलवे की टीम ने शुरू से अंत तक मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। कप्तान अंगामुथु के नेतृत्व में रेलवे ने आक्रामक और अनुशासित खेल का ऐसा नमूना पेश किया कि केरल को संभलने का मौका ही नहीं मिला। रोहित कुमार के धारदार स्मैश, जॉर्ज एंटनी और एमिल टी. जोसेफ की नेट पर सटीक टाइमिंग, समीर सीएच के निर्णायक अंक और लिबरो आनंद के. की बिजली जैसी फुर्ती रेलवे की जीत की बुनियाद बनी। केरल की ओर से कप्तान सेथु टी.आर. और एरिन वर्गीस ने संघर्ष किया, लेकिन रेलवे की संगठित दीवार को भेद नहीं सके।

महिला फाइनलः केरल की बेटियों ने रचा रोमांचक इतिहास

केरल ने रेलवे को 3-2 (22-25, 25-20, 25-15, 22-25, 15-8) से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम की। महिला फाइनल टूर्नामेंट का सबसे यादगार मुकाबला साबित हुआ। रेलवे ने पहला सेट जीतकर दबदबा बनाया, लेकिन केरल की बेटियों ने अद्भुत जुझारूपन दिखाते हुए वापसी की। निर्णायक सेट में केरल ने आक्रामक खेल से रेलवे को पूरी तरह दबाव में ला दिया। अनुश्री के पावरफुल स्मैश, लिबरो शिवप्रिया जी. की शानदार डिफेंस, अनघा आर. की अभेद्य ब्लॉकिंग और नंदना वी. व अन्ना मैथ्यू के अनुभव ने केरल को चैंपियन बना दिया। रेलवे की हार का कारण निर्णायक क्षणों में तालमेल की कमी और सर्विस रिसीव में चूक रही। हार्ड लाइन मुकाबले : पंजाब और राजस्थान का कांस्य पर कब्जा.

गोपेश पांडेय के निधन से काशी का पत्रकार जगत शोकाकुल

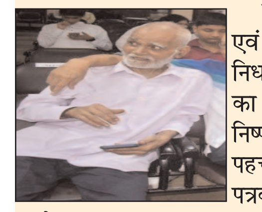

वाराणसी। काशी पत्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं मानद सदस्य, वरिष्ठ पत्रकार गोपेश पांडेय के निधन से काशी ही नहीं, बल्कि संपूर्ण पूर्वांचल का पत्रकारिता जगत गहरे शोक में डूब गया है। निष्पक्ष, निर्भीक और मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता के लिए पहचाने जाने वाले गोपेश पांडेय के अवसान को पत्रकारिता की अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है। उनके निधन की खबर मिलते ही पत्रकारों, सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों में शोक की लहर दौड़ गई। घर-घर से लेकर सोशल मीडिया तक उन्हें याद कर श्रद्धांजलि दी जा रही है। गोपेश पांडेय ने अपने लंबे पत्रकारिता जीवन में कई प्रतिष्ठित समाचार पत्रों और मीडिया संस्थानों में सेवाएं दीं। उन्होंने समाचार को सिर्फ सूचना नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का माध्यम माना। सच्चाई के पक्ष में खड़े रहना, सत्ता और व्यवस्था से सवाल पूछना तथा आम जन की आवाज को प्रमुखता से उठाना उनकी पत्रकारिता की पहचान रही। काशी पत्रकार संघ के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन को मजबूती दी और पत्रकारों के हितों की लड़ाई को मर्यादित, लेकिन दृढ़ स्वर में आगे बढ़ाया। उनके निधन पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है। भाजपा काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल, जिलाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि और क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी सहित कई नेताओं ने संयुक्त शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि गोपेश पांडेय का जाना पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। नेताओं ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के माध्यम से समाज को जागरूक करने का कार्य किया, जिसे भुलाया नहीं जा सकता। पत्रकार साथियों ने उन्हें एक ऐसे मार्गदर्शक के रूप में याद किया, जिन्होंने नई पीढ़ी को पत्रकारिता के मूल्यों से परिचित कराया। उनका सादा जीवन, स्पष्ट विचार और निर्भीक लेखनी हमेशा प्रेरणा देती रहेगी। कई वरिष्ठ पत्रकारों ने कहा कि गोपेश पांडेय जैसे लोग पत्रकारिता के स्तंभ होते हैं, जिनके जाने से एक खालीपन पैदा हो जाता है, जिसकी भरपाई आसान नहीं।

फोनपे के 10 साल: भारत को सशक्त बनाने के एक दशक का जश्न

मुंबई। फोनपे ने हाल ही में इनोवेशन और भरोसे का एक शानदार दशक पूरा किया। भारत के फिनटेक इकोसिस्टम में 10 साल का यह सफर सिर्फ एक मील का पत्थर नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का उत्सव है। इस दशक में फोनपे ने न केवल वित्तीय पहुँच को बढ़ाया है, बल्कि भारत में लेन-देन और पैसों को मैनेज करने के तरीके को भी बदला है। साल 2025 में, फोनपे ने 600 मिलियन रजिस्टर्ड यूजर्स का आँकड़ा पार करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की, जिसने भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ के रूप में इसकी भूमिका को और मजबूत कर दिया। इस साल हमारा पूरा फोकस कस्टमर्स के भरोसे मजबूत करने और अपनी सेवाओं को हर किसी तक पहुँचाने पर रहा। इसी सोच के साथ हमने वढक सर्कल लॉन्च किया गया, जो भरोसेमंद कॉन्टैक्ट्स के लिए डेलीगेटेड पेमेंट की सुविधा देता है। साथ ही, करोड़ों यूजर्स को धोखाधड़ी वाले ट्रांजेक्शन से बचाने के लिए हमने फोनपे प्रोटेक्ट' जैसा मजबूत सुरक्षा कवच भी तैयार किया है। मर्चेंट सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए, फोनपे ने मेड-इन-इंडिया स्मार्टस्पीकर और स्मार्टपॉड पेश किए हैं, जो देश भर के बिजनेस के लिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दे रहे हैं। SIDBI के साथ मिलकर हमारी उद्यम असिस्ट पहल के जरिए, हम MSMEs के लिए डिजिटल-फर्स्ट इंटीग्रेशन देने वाली शुरूआती कंपनियों में से एक बन गए हैं, जिससे छोटे व्यापारियों के लिए लोन लेना अब काफी आसान हो गया है। इसके अलावा, फोनपे ने भारत के मिसिंग मिडिल के लिए होम इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस जैसी किफायती, जरूरी सुरक्षा लॉन्च करके कंज्यूमर्स के लिए अपने प्रोडक्ट ऑफरिंग को बढ़ाया है। साथ ही म्यूचुअल फंड पर लोन जैसे स्मार्ट लेंडिंग विकल्पों के जरिए हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि करोड़ों लोगों तक न केवल वित्तीय सेवाएँ पहुँचें, बल्कि उन्हें जरूरत पड़ने पर तुरंत फंड्स भी मिल सकें।

इंदौर भागीरथपुरा की स्थिति अब काबू में है: मंत्री विजयवर्गीय

प्रणीत तिवारी चीफ ब्यूरो

इंदौर (उत्तर शक्ति) इंदौर स्थित भागीरथपुरा में दुषीत पानी के करण लगभग 20 लोगों की मौत हो चुकी है। सैकड़ो से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हैं। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कई बार क्षेत्र का दौरा कर चुके हैं। दिनांक 9 जनवरी 2026 दिन शुक्रवार फिर दौरा किया ,और स्थानीय लोगों मुलाकात की , तथा हो रहे कार्य का भी निरिक्षण किया। दूषित पानी कांड का दंश झेल रहे भागीरथपुरा में हालात तेजी से अब समान्य हो रहे हैं यह वाक्य शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने क्षेत्र का दौरा करते हुए कहा, और उन्होंने यहां चल रहे ड्रेनेज और पानी की लाइन का हो रहे काम का भी निरिक्षण किया और अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की जानकारी ली। इशारों इशारों में मंत्री ने सिर्फ इतना ही कहा कि भागीरथपुरा की स्थिति नियंत्रण में भले ही है लेकिन संतोषजनक नहीं है उन्होंने आगे कहा की भागीरथपुरा में रहने वाले छह से सात हजार परिवारों को 21- 22 जोन में बांटा जाएगा प्रत्येक जोन में नगर निगम का एक प्रभारी अधिकारी होगा, जो 50 से अधिक घरों को संपर्क में रहेगा और डिस्चार्ज हुए मरीजों का निगरानी करेगा ताकि बीमारी के दोबारा फैलने की आशंका न रहे गर्भवती महिलाओं व नवजात बच्चों का भी सर्वे करने का निर्णय लिया है।

वसई-विरार का गढ़ बचाने के लिए ठाकूर-गावड़े गठबंधन

वसई। वसई -विरार की राजनीति में इस समय बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। कभी इस क्षेत्र के एकछत्र शासक रहे हितेंद्र ठाकूर और उनकी बहुजन विकास आघाड़ी (बीवीए) आज अस्तित्व की लड़ाई लड़ते नजर आ रहे हैं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद अब नगर निगम पर अपनी सत्ता बचाने के लिए ठाकूर ने पूरी ताकत झोंक दी है। लेकिन इस सत्ता संघर्ष में उन्होंने धनंजय गावड़े का साथ लेकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है, जो फिलहाल चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने अब वसई-विरार नगर निगम से ठाकूर की बीवीए को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया है। पिछले कई दशकों से चली आ रही इस सत्ता को खत्म करने के लिए भाजपा ने रणनीति बनानी शुरू कर दी है। विधानसभा चुनाव में मिली जीत से भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ा है और नगर निगम में परिवर्तन लाने के

लिए पार्टी ने कमर कस ली है। धनंजय गावड़े का आपराधिक रिकॉर्ड पूरे वसई-विरार में जाना-पहचाना है और उनके खिलाफ बलात्कार, जबरन वसूली सहित कुल 12 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। धनंजय गावड़े पर बलात्कार के साथ-साथ फर्जी दस्तावेजों की मदद से जमीन हड़पने का आरोप लगा था। इसके अलावा, भाईंदर के एक बिल्डर से 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का भी उन पर आरोप है। इसके अलावा आयकर विभाग और ईडी ने उनके घर पर छापेमारी की थी। उस दौरान उनके पास से 40 लाख रुपये की नकदी जब्त की गई थी। यह रकम ईडी को गावड़े की गाड़ी से मिली थी। नोटबंदी के समय गावड़े के पास 1 करोड़ 22 लाख रुपये के नए नोट पाए गए थे। आयकर अधिकारियों और नालासोपारा अपराध शाखा ने जाल बिछाकर उन्हें नोटों के साथ रंगेहाथ पकड़ा था। इस मामले के चलते उनके आपराधिक कारनामों की जानकारी पूरे राज्य में फैल गई। अपराध जगत से संबंध और जबरन वसूली करने वाले की छवि होने के बावजूद ठाकूर द्वारा उन्हें करीब किए जाने से आम नागरिक यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या महापालिका को बचाने के लिए दो नामचीन लोग एक साथ आए हैं? अपने गढ़ में पड़ी सेंध को रोकने के लिए हितेंद्र ठाकूर ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया है। नगर निगम बचाने के लिए उन्होंने शिवसेना के पूर्व नेता धनंजय गावड़े को अपने साथ लिया है। ठाकूर और गावड़े की यह युति राजनीतिक गलियारों में खलबली मचाने वाली साबित हो रही है।

संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में शाहगंज से समैसा तक निकाली गई भव्य ह्यदेव दर्शन साइकिल यात्रा

-चंदन जयसवाल

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों की श्रृंखला में जनवरी माह के अंतर्गत युवाओं द्वारा विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शाहगंज नगर से समैसा ग्राम तक देव दर्शन साइकिल यात्रा का भव्य आयोजन किया गया।

यात्रा का नेतृत्व शताब्दी वर्ष युवा कार्यक्रम संयोजक ईशान जायसवाल राम ने किया, जबकि साइकिल यात्रा कार्यक्रम के संयोजक धीरज कुमार पाटिल रहे। यह यात्रा नगर के स्वामी विवेकानंद तिराहे से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए लगभग पांच किलोमीटर की दूरी तय कर बाबा ननकू दास की कुटी, समैसा ग्राम सभा पहुंची।

वहां आयोजित गोष्ठी में मुख्य वक्ता शिव नारायण एवं संयोजक ईशान जायसवाल राम ने युवाओं को संबोधित किया। नगर संघचालक दिलीप तथा बाबा रामअचल दास महाराज ने अपने आशीर्वचनों के माध्यम से युवाओं को देश, समाज और संस्कृति के हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस साइकिल यात्रा में दो सौ से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया। नगर की छह बस्तियों से दुर्गेश चौरसिया, रतन अग्रहरि, प्रदीप यादव, अभिषेक बरनवाल, अमित त्रिपाठी, क्षेमेन्द्र सिंह, शिवा गुप्ता, विजय गुप्ता, अवनीश साहू, मुकेश अग्रहरि, राहुल अग्रहरि, सागर सोनी, अमन राजभर सहित अनेक युवाओं ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगर प्रचारक रवि सह संघचालक श्रीराम ,नगर कार्यवाह हनुमान अग्रहरि, विनय , वीरू यादव तथा नितिन अग्रहरि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में समैसा ग्राम प्रधान अभिषेक गौतम एवं कौड़िया ग्राम प्रधान चंद्रेश चौधरी का विशेष सहयोग रहा। अंत में साइकिल यात्रा संयोजक धीरज पाटिल ने सभी सहयोगियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पेण तालुके में पहली कृषि प्रदर्शनी का आयोजन, कृषि तरंग 2026 का उत्साहपूर्ण शुभारंभ

पेण। पेण तालुके में वनराई और जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पहली भव्य कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। कृषि तरंग 2026 नाम से आयोजित इस कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह गुरुवार, 8 जनवरी 2026 को Sissom Riverside, पेण बायपास में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन सत्यजित बडे (आईएएस), अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रायगढ़ जिला परिषद की प्रमुख उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर वनराई के ट्रस्टी सागर धारिया, वनराई के सचिव अमित वाडेकर, जेएसडब्ल्यू स्टील (डोलवी) के उपाध्यक्षझ लैंड एंड एस्टेट आत्माराम बेटकेकर, जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन के सामाजिक दायित्व प्रमुख सुधीर तैलंग, तथा जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन के जल, पर्यावरण एवं स्वच्छता विभाग की प्रमुख श्रीमती रूपा दावणे सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। यह कृषि प्रदर्शनी 8 और 9 जनवरी 2026 को दो दिनों की अवधि में आयोजित की गई है। इसके माध्यम से किसानों को कृषि में आधुनिक तकनीक, मत्स्य पालन, दुग्ध व्यवसाय आदि विषयों पर विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। साथ ही, कृषि के लिए आवश्यक उपकरण, खाद एवं कीटनाशक, महिला बचत समूहों के व्यवसाय, तथा विभिन्न सरकारी विभागों और उनकी योजनाओं की प्रदर्शनी भी यहां प्रस्तुत की गई है।

पत्रकार सम्मान समारोह में जौनपुर के पत्रकारों का हुआ सम्मान

निर्भीक होकर सत्ता से सवाल पूछना हर पत्रकार का परम कर्तव्य: अशोक वानखेड़े

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर शहर के तंदूरी बैंक्वेट हॉल में रविवार को आयोजित श्रीकांत वर्मा पत्रकार सम्मान समारोह में देश के जाने-माने पत्रकार अशोक वानखेडे मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। अशोक वानखेडे के हाथों जनपद के एक सौ पच्चीस पत्रकारो और रिपोर्टरों को अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

पत्रकार सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि अशोक वानखेडे ने कहा कि पूर्व सांसद स्व.श्रीकांत वर्मा निर्भीक पत्रकार थे, उन्होंने पत्रकारिता के उच्च मानदंड को हमेशा सर्वोपरि रखा, उनका संदेश था कि पत्रकार को सत्ता के साथ नहीं बल्कि जनता और देश की मूलभूत समस्याओं के लिए लड़ना और आवाज बुलंद करना चाहिए। अशोक वानखेडे ने कहा पत्रकारों और रिपोर्टरों को सवाल पूछने से भागना नहीं चाहिए, सरकार की आंखों में आंखें डालकर निर्भीक होकर बिना डरे सवाल करना चाहिए।विशिष्ट अतिथि पत्रकार विजय कृष्ण ने कहा पत्रकारों द्वारा समाज हित में उठाये जाने० वाले मुद्दो की चर्चा करते हुए कहा कि पत्रकार लोकतन्त्र का सजग प्रहरी हैं । श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी संदीप सिंह ने पूर्व सांसद श्रीकांत वर्मा के पुत्र अभिषेक वर्मा के द्वारा भेजे गए लिखित संदेश को पढ़कर सुनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला काँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह व आभार प्रकट शहर काँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने किया । कार्यक्रम आयोजक सभासद शाहनवाज मंजूर रहे । इस मौके पर पंकज सोनकर, राकेश मिश्रा, राकेश मिश्रा मंगला गुरु, अनिल दूबे आजाद, अनिल सोनकर, धीरज उपाध्याय, ललित चौरसिया हाशिम अली आदि उपस्थित रहे ।

नेत्र ज्योति जीवन का सर्वोत्तम इलाज: डॉ. देवेन्द्र कुमार

बक्शा ब्लॉक के कर्तिहा गांव में नि:शुल्क शिविर में 250 नेत्र रोगियों का हुआ परीक्षण

नौपेड़वा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा विकास खण्ड के कर्तिहा गांव में स्थित प्राथमिक विद्यालय पर रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पहुँचे एम्स नई दिल्ली में रहें नेत्र सर्जन एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं नईगंज निदेव नेत्रालय के चिकित्सक डॉ. देवेन्द्र कुमार यादव ने शिविर में करीब 250 मरीजों का नेत्र परीक्षण कर उचित सलाह देते हुए दवा वितरण किया। शिविर में सदगुरू हॉस्पिटल के जनरल फिजिशियन डॉ. एसपी एवं चेस्ट एवं सुगर रोग विशेषज्ञ डॉ. डीके सोनी ने भी दर्जनों मरीजों की जांच कर दवा वितरित किया। डॉ. देवेन्द्र ने कहा कि नेत्र ज्योति जीवन का सर्वोत्तम इलाज है। 40 वर्ष की उम्र के बाद आँखों की विशेष देखभाल की जरूरत पड़ती है। उन्होंने कहा कि जीवन के चौथेपन में मोतियाबिंद जैसी व्याधि के कारण तमाम लोग दृष्टिहीन हो जाते है। ऐसे में उन्हें समय रहतें लेंस प्रत्यारोपण अवश्य करवाना चाहिए। उन्होंने रोगियों को नियमित आहार-विहार तथा चिकित्सकों द्वारा दिए गए नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेत्र ज्योति को दुरुस्त रखना हम सब की प्रमुख जिम्मेदारी है। इस दौरान आयोजक ग्राम प्रधान कासिद अली एवं शिक्षक सुहेल असगर खान ने आभार जताया। इस दौरान अमित सिंह, विनोद तिवारी, कृष्णदेव यादव, सौरभ यादव, संतोष यादव बल्ला, जितेन्द्र यादव, सुरेन्द्र कुमार यादव, कमलेश यादव, सुरेन्द्र यादव, पंधारी यादव, श्रीधर दूबे, तनवीर सहित तमाम प्रधानगण मौजूद रहें।

डा. प्रवीण भाई तोगड़िया का जनपद आगमन 20 जनवरी को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद/राष्ट्रीय बजरंग दल के संस्थापक एवं अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा ख्यातिलब्ध कैंसर चिकित्सक डा. प्रवीण भाई तोगड़िया का जनपद आगमन आगामी 20 जनवरी दिन मंगलवार को हो रहा है। इस आशय की जानकारी अहिप के जिलाध्यक्ष अजय पाण्डेय ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है। श्री पाण्डेय ने बताया कि उपरोक्त कार्यक्रम को लेकर अहिप, राबद सहित समस्त आयामों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तैयारी सहित अन्य कार्यक्रमों को लेकर जुट गये हैं। वहीं राबद के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि डा. तोगड़िया जी के जनपद आगमन का मुख्य उद्देश्य हिन्दू धर्म रक्षा निधि है। श्री सिंह ने जनपद के हिन्दू विचारधारा के समस्त लोगों को उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील किया है।

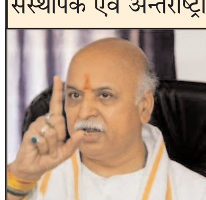

डॉ. नरेंद्र कुमार के दमदार चुनाव प्रचार और जनसंवाद से बदला वार्ड-5 का मौसम

दहिसर, मुंबई। आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव में कांग्रेस और मित्र पक्षों की युती के उम्मीदवार डॉ. नरेंद्र कुमार के दमदार चुनाव प्रचार, रैलियों और घर-घर जाकर बहुमत से जीत दिलाने की अपील से वार्ड क्रमांक-5 का मौसम बदल रहा है। मतदाता लगातार 50 वर्षों से स्वास्थ्य सेवाएं देते रहने वाले शहर के प्रख्यात हृदयरोग विशेषज्ञ को अपने बीच पाकर प्रसन्नता अनुभव कर रहे हैं और विश्वास जता रहे हैं कि डॉक्टर के रूप में बेहद कामयाब डॉ. नरेंद्र कुमार, नेता के रूप में भी अवश्य ही वार्ड के विकास और उन्हें सभी प्रकार की जन-सुविधाएं दिलाने में भरपूर योगदान देंगे। प्रत्याशी को नागरिकों का उत्तम प्रतिसाद मिल रहा है। नागरिकों से संवाद साधने डॉ. नरेंद्र कुमार चुनाव प्रचार यात्रा पर हर रोज सुबह से दोपहर और फिर दोपहर बाद से रात तक निकल रहे हैं और वार्ड के नागरिकों से सदिच्छा भेंट कर रहे हैं। वार्ड-5 के विकास के लिए अपने मजबूत विजन के साथ वे मतदाताओं से मिल रहे हैं और घर-घर संपर्क अभियान के दौरान मिल रहे असीम स्नेह और मतदाताओं के आशीर्वाद से वे अति उत्साहित हैं।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया

जो मतदाता नो मैपिंग की श्रेणी में आते हैं, वे अपने संबंधित बूथ पर उपस्थित बीएलओ से संपर्क करे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में अनमैप्ड मतदाताओं की मैपिंग हेतु नोटिस निर्गत करने सहित फॉर्म 6, 7, 8 भरने की प्रक्रिया के संबंध में कार्यशाला कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में संपन्न हुई, जहां उपस्थित सभी को पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जो मतदाता नो मैपिंगह्न की श्रेणी में आते हैं, वे अपने संबंधित बूथ पर उपस्थित बीएलओ से संपर्क कर आवश्यक सुधार करा सकते हैं। जन्म-तिथि के आधार पर दस्तावेजों की आवश्यकता स्पष्ट करते हुए उन्होंने बताया कि जो मतदाता नो मैपिंग की श्रेणी में आते हैं, वे अपने संबंधित बूथ पर उपस्थित बीएलओ से संपर्क

कर आवश्यक सुधार करा सकते हैं। जन्म-तिथि के आधार पर दस्तावेजों की आवश्यकता स्पष्ट करते हुए उन्होंने बताया कि 1 जुलाई 1987 से पहले जन्मे नागरिकों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 13 वैध पहचान पत्रों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा। 1 जुलाई 1987 के बाद एवं 02 दिसंबर 2004 से पहले जन्मे नागरिकों को स्वयं के साथ माता या पिता में से किसी एक का दस्तावेज देना होगा, जबकि 02 दिसंबर 2004 के बाद जन्मे नागरिकों को स्वयं तथा माता-पिता दोनों के दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा सहायता के लिए नागरिक वोटर हेल्पलाइन ऐप अथवा निर्वाचन आयोग के पोर्टल का उपयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नई सुविधा के अंतर्गत नागरिक बुक ए कॉल विथ बीएलओ सुविधा अंतर्गत बीएलओ को कॉल रिक्वेस्ट भी भेज सकते हैं, जिस पर संबंधित बीएलओ स्वयं संपर्क करेंगे।

मा० भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 06 जनवरी 2026 को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन हो चुका है, जिसका आज सभी मतदेय बूथों पर बीएलओ द्वारा जनसामान्य की उपस्थिति में वाचन किया गया, जिससे यदि कोई भी त्रुटि अभी भी विद्यमान है तो उनका निराकरण निर्धारित समयावधि में कराया जा सके। उन्होंने बताया कि माननीय भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 06 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां ली जानी है तथा निस्तारण किया जाना है। कार्यशाला के दौरान उन्होंने दावे और आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया, घोषणा के समर्थन में प्रस्तुत किए जाने वाले सांकेतिक दस्तावेजों की सूची, फार्म 6 भरने की प्रक्रिया, सहित फॉर्म 7 और फॉर्म 8 के संबंध

मकर संक्रांति के अवसर पर एकजुट हुआ ब्रह्मर्षि समाज

पटना। राजधानी के यूथ हॉस्टल परिसर में आपन माटी बिहार के तत्वावधान में आयोजित ब्रह्मर्षि मकर संक्रांति मिलन समारोह में ब्रह्मर्षि समाज के हजारों की संख्या में भूमिहार समाज के लोगों ने शिरकत किया। समाज से आए हुए लोगों ने एकजुटता का परिचय देते हुए मकर संक्रांति मनाया तथा एक दूसरे को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं भी दी। मालूम हो कि आपन माटी बिहार द्वारा समय-समय पर कई सामाजिक कार्य किए जाते हैं। जैसे कड़ाके की ठंड के दौरान गरीबों के बीच मुफ्त कंबल वितरण तथा इस ब्रह्मर्षि समाज के प्रतिभावान लोगों को सम्मानित करने का काम भी प्रत्येक वर्ष आपन माटी बिहार द्वारा किया जाता रहा है। इस मौके पर आपन माटी बिहार के सक्रिय सदस्य अविनाश कुमार ने कहा कि आपन माटी बिहार के तमाम सदस्यों ने इस समारोह के सफल संचालन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके सहयोग तथा समर्पण के कारण समय-समय पर कई सामाजिक कार्य किए जाते हैं। इस अवसर पर स्वामी सहजानंद सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित किया गया। इस आयोजन में डॉ. सी.पी. ठाकुर (पूर्व केंद्रीय मंत्री), विवेक ठाकुर (सांसद, नवादा), देवेश कांत (विधायक, गोरेयाकोठी), , डॉ. शरद एवं बिगुल बाबू सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।